सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

वर्ष- 14 अंक - 313 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शुक्रवार 25 अगस्त 2023 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास - खबर

दुर्ग की तीन विधानसभाओं में कल होगा संपर्क शिविरों का आयोजन, कार्यकर्ताओं को चार्ज करेंगे सीएम बघेल

भिलाई। विधानसभा चुनाव 2023 की तैयारियों में जुटी कांग्रेस पार्टी इन दिनों अपने कार्यकर्ताओं में जान फूंक रही है। सभी विधानसभा क्षेत्रों में कांग्रेस पार्टी द्वारा संकल्प शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में दुर्ग जिले की तीन विधानसभा क्षेत्रों में शनिवार को संकल्प शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। यह संकल्प शिविर वैशाली नगर, भिलाई नगर व दुर्ग शहर में आयोजित किए जाएंगे।

भिलाई शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर ने जानकारी देते हुए बताया कि 26 अगस्त शनिवार को संकल्प शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल इन संपर्क शिविरों में उपस्थित रहेंगे। शनिवार सुबह 11 वैशाली नगर विधानसभा के तहत अंबेडकर भवन में संकल्प शिविर होगा। वहीं दोपहर दो बजे से भिलाई नगर विधानसभा के तहत नेहरू सांस्कृतिक सदन में संकल्प शिविर का आयोजन किया गया है। दोपहर बाद 4 बजे से दुर्ग शहर विधानसभा के तहत होटल रोमन पार्क में संकल्प शिविर का कार्यक्रम होगा।

दावेदारों को मिला संगठन में पद, क्या खत्म हो गई टिकट की गुंजाइश?

कांग्रेस ने ट्विनसिटी से बनाए हैं 3 महासचिव व 6 सचिव

श्रीकंचनपथ न्यूज़

भिलाई। चुनावी तैयारियों और टिकट वितरण की प्रक्रिया की बीच प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने संगठन का विस्तार किया है। यह भारी भरकम विस्तार तब किया गया, जब पार्टी में टिकट वितरण के लिए आवेदन की प्रक्रिया खत्म हो गई। संगठन के विस्तार में कई ऐसे लोगों को भी शामिल किया गया है, जिन्होंने अगले विधानसभा चुनाव के लिए दावेदारी की है। इसलिए सवाल उठना लाजिमी है कि क्या प्रदेश संगठन के नए विस्तार में ऐसे लोगों को शामिल किया गया है, जिन्हें चुनाव में टिकट नहीं देना है? क्या उनमें किसी तरह का असंतोष न पनपे, इसलिए संगठन में पद देकर पहले ही संतुष्ट कर दिया गया? गौरतलब है कि कांग्रेस में टिकट के लिए ब्लॉक स्तर पर आवेदन की प्रक्रिया निर्धारित की गई थी। इसके तहत प्रत्येक दावेदार को अपने ब्लाक में आवेदन करना था। इसके लिए 17 से 24 अगस्त तक का वक्त तय किया गया था। ब्लाक के बाद जिला और जिले के बाद प्रदेश स्तर पर आवेदनों के पहुंचने और अंत में दिल्ली से नामों की घोषणा करने की प्रक्रिया तय की गई है।

कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव केसी वेणुगोपाल ने गुरूवार को छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस में संगठन का विस्तार करते हुए 23 महासचिव व 140 सचिवों की नियुक्तियां की। संगठन के विस्तार में सिर्फ इन दो पदों पर ही नियुक्तियां हुई है। नियुक्तियों में बहुधा ऐसे लोगों के नाम शामिल किए गए हैं, जिन्होंने विधानसभा चुनाव लड़ने की इच्छा जाहिर करते हुए आवेदन किया है। कई नाम ऐसे भी हैं, जो दावेदारों के रिश्तेदारों के हैं। ट्विनसिटी से 3 महासचिव बनाए गए हैं। इनमें राजेन्द्र साहू व जितेन्द्र साहू के अलावा दीपक दुबे के नाम शामिल हैं। राजेन्द्र साहू वर्तमान में जिला केन्द्रीय सहकारी बैंक के अध्यक्ष हैं। उनकी दुर्ग सीट पर दावेदारी मानी जा रही थी। इसी तरह गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू के पुत्र जितेन्द्र साहू को भी कहीं न कहीं टिकट का दावेदार बताया जा रहा था। दोनों पूर्व में भी महासचिव रहे हैं। वहीं इस पद के लिए दीपक दुबे का नाम नया है। दीपक दुबे ने वैशाली नगर क्षेत्र से टिकट के लिए आवेदन किया है। इन 3 महासचिवों के अलावा ट्विनसिटी से कुल 6 सचिव भी मनोनीत किए गए हैं। ये हैं - अतुलचंद्र साहू, मोहम्मद इरफान खान, संदीप वोरा, नीलिमा राबिन्स, अय्यूब खान व सौरभ दत्ता। इनमें से मोहम्मद इरफान खान व अय्युब खान ने भी चुनाव लड़ने का आवेदन जमा कराया है। जिले से 1 सीट अल्पसंख्यक समुदाय दी जाती रही है, संभवतः इसीलिए दोनों ने भावी संभावनाओं के मद्देनजर आवेदन किया है। वहीं दुर्ग के विधायक संदीप वोरा का नाम इस सूची में जरूर चौंकाता है, क्योंकि संदीप ने युवक कांग्रेस का चुनाव लड़ा था और वे वर्तमान में युकां के प्रदेश महासचिव हैं।

पार्टी के उच्च पदस्थ सूत्रों की मानें तो कांग्रेस ने ज्यादातर सीटों पर प्रत्याशियों के नाम पहले से ही तय कर रखे हैं। ब्लाक और जिला स्तर पर आवेदनों की जो प्रक्रिया है, उसके जरिए कार्यकर्ताओं को चार्ज करने और उनमें संभावनाएं तलाशने का काम किया जा रहा है। बताते हैं कि पार्टी को टिकट वितरण के बाद आंतरिक गड़बड़ियों का अंदेशा है, इसलिए प्रत्येक सीट पर नेताओं-कार्यकर्ताओं की महत्वाकांक्षाओं को आंका जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, वर्तमान में संगठन का विस्तार भी इसी के मद्देनजर किया गया है। दरअसल, पार्टी सभी दावेदारों को चुनाव के दौरान भी अपने साथ जोड़े रखना चाहती है। एक व्यक्ति को टिकट देने से बाकी के दावेदारों में निराशा घर कर जाती है। इसलिए बहुत सारे लोगों को संतुष्ट करने के लिहाज से संगठन में पद दिए गए हैं।

सभी सीएम-गृहमंत्री के समर्थक

जिन 9 लोगों को प्रदेश कार्यकारिणी में जगह दी गई है, उनमें से लगभग सभी मुख्यमंत्री भूपेश बघेल व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू के समर्थक हैं। ऐसे में समर्थकों को साथ बनाए रखने के लिहाज से भी नए पदाधिकारियों के मनोनयन को देखा जा रहा है। पार्टी से ऐसे भी संकेत मिले हैं कि प्रदेश में कांग्रेस की दोबारा सरकार बनने की स्थिति में टिकट के वर्तमान दावेदारों को ध्यान में रखा जाएगा। उस दौरान कई तरह की नियुक्तियों या मनोनयन में ऐसे नामों को वरीयता दी जाएगी, जिन्होंने दावेदारी की और टिकट न मिलने के बाद भी पार्टी के लिए निष्ठा व समर्पण से काम किया। वहीं कई प्रमुख लोगों को लोकसभा और नगरीय निकायों के चुनाव में भी प्राथमिकता मिलेगी। हालांकि फिलहाल पार्टी का पूरा जोर विधानसभा चुनाव के दौरान एकजुटता प्रदर्शित करने पर है। पार्टी के नेताओं का मानना है कि यदि कांग्रेस के नेता व कार्यकर्ता एकजुट रहे तो छत्तीसगढ़ में दोबारा सरकार बनाने से कोई नहीं रोक पाएगा।

ईडी के छापों पर आया सीएम बघेल का रिएक्शन, कहा- पाटन में विजय बघेल नहीं बल्कि ईडी व आईटी लडेंगे चुनाव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में इन दिनों ईडी और आईटी की जोरदार चर्चा है। चर्चा इसलिए नहीं कि वे ताबड़तोड़ छापे मार कार्रवाई कर रहे हैं बल्कि चर्चा इसलिए हो रही है क्योंकि इन छापों में उन्हें क्या मिल रहा है यह पता नहीं चलता। बुधवार को सीएम भूपेश बघेल के ओएसडी व राजनीतिक सलाहकार के यहां ईडी पहुंच गई। अब इस मामले में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का रिएक्शन आया है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि भाजपा प्रजातांत्रिक ढंग से चुनाव नहीं लड़ना चाहती। पाटन में भी विजय बघेल नहीं बल्कि ईडी व आईटी चुनाव लड़ेगे।

कांग्रेस पार्टी के ऑफशियल ट्विटर हैंडल पर वीडिया शेयर किया गया है जिसमें सीएम बघेल बता रहे हैं कि ईडी क्या करती है। सीएम बघेल ने कहा कि ईडी करती क्या है? ईडी के लोग घरों में जाते हैं, मोबाइल जब्त करते हैं, ज्वैलरी-कैश व बैंक खाते सीज करते हैं। फिर पूरे परिवार को कई दिनों तक बंधक बनाकर रखते हैं और राजनीतिक सवाल पूछते हैं। पहले आईटी ने छापा डाला, फिर ईडी की एंट्री हुई। आगे अब सीबीआई भी आ सकती है। इनका उद्देश्य सिर्फ सरकार को बदनाम करना है।

पूछताछ के नाम पर अमानवीय व्यवहार

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट की रोक के बाद भी ईडी पहले नोएडा में एफआईआर कराते हैं और उसके बाद छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में सीबीआई जांच की मांग करते हैं। इसका मतलब साफहै कि ईडी खुद को सक्षम नहीं मानती। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव से पहले आईटी के 250 लोगों की टीम छापा डालेगी। ईडी आती है तो आईटी जाती है, आईटी आती है तो ईडी जाती है। हमारे यहां यही क्रम चल रहा है। चलती सरकार को कैसे बदनाम करना है यही इनका काम है। पूछताछ के नाम पर ईडी के अफसर अमानवीय व्यवहार करते हैं।

छत्तीसगढ़ में बदला मौसम का मिजाज, आज शाम होगी बारिश, ये है अन्य जिलों का हाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मौसम का मिजाज बदला हुआ है। बीते दिनों प्रदेश के कई इलाकों में हल्की मध्यम बारिश हुई है। मानसून पर लगा ब्रेक हट गया है। आज भी प्रदेश में आंशिक रूप से बादल छाए हुए हैं। इसके साथ ही हल्की मध्यम बारिश होने की संभावना है। उत्तर छत्तीसगढ़ में अगले 48 घंटे में अधिकतम तापमान में 1 से 2 डिग्री सेल्सियस गिरावट होने की संभावना है। इसके बाद तापमान 2 से 3 डिग्री सेल्सियस बढ़ सकती है। उन्होंने बताया कि बारिश की गतिविधि में उतार-चढ़ाव है। फ्लिहाल, कुछ दिनों तक ऐसा ही मौसम रहने की संभावना है।

मौसम विभाग के अनुसार, बीते दिनों गुरुवार को राजधानी रायपुर समेत प्रदेश के कई इलाकों में उमस और गर्मी से लोग परेशान थे। इसके बाद कई इलाकों में हल्की मध्यम बारिश हुई। इससे लोगों की गर्मी से राहत मिली। आज रायपुर में बादल छाए हुए हैं। वहीं आज शाम को राजधानी में गरज चमक के साथ छीटें पड़ने की संभावना है। यहां की अधिकतम और न्यूनतम तापमान लगभग 31 डिग्री सेल्सियस और 24 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है।

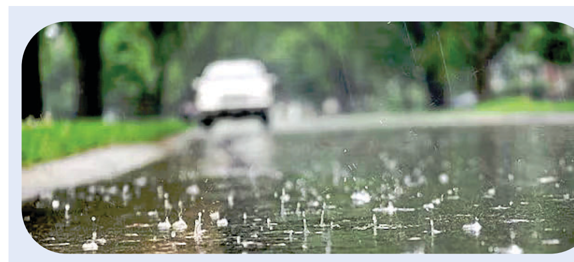

यहां बन रहा मानसून का सिस्टम

मानसून द्रोणिका मध्य समुद्र तल पर फिरोजपुर, करनाल, मेरठ, आजमगढ़, पटना, देवघर, डायमंड, हार्बर इसके साथ ही दक्षिण-पूर्व से होते हुए पूर्वी-मध्य बंगाल की खाड़ी से होकर गुजर रही है। एक ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण पश्चिम उत्तर प्रदेश पर मध्य समुद्र तल से 3.5 से 7.6 किलोमीटर तक फैला हुआ है, जो की ऊंचाई के साथ दक्षिण के ओर झुका हुआ है। एक उत्तर दक्षिण द्रोणिका उत्तर-पूर्व उत्तर प्रदेश से लेकर पूर्वी असम तक बना हुआ है, जो कि बिहार उपहिमालयी पश्चिम बंगाल से होकर गुजर रही है। वहीं मध्य समुद्र तल से 0.9 किलोमीटर ऊपर बनी हुई है।

बारिश के आंकड़े सेंमी

प्रदेश में कुछ जगहों में हल्की मध्यम बारिश और कहीं भारी बारिश दर्ज की गई है, जैसे कि कुसमी में 7 सेमी, जशपुर नगर में 6, राजपुर, बिल्हा, शंकरगढ़, पौदी उपरोरा में 5, खैरागढ़, अंबिकापुर, बरमकेला, कोरबा, बगीचा, पुसौर, वाड्राफनगर, मुंगेली, सारंगढ़, भैरमगढ़, धरमजयगढ़, प्रतापपुर, भोपालपटनम में 3, बिलाईगढ, रायगढ़, खरसिया, बैकुंठपुर, शक्ति, लोरमी, पत्थलगांव, पथरिया, करतला, लुंड्रा, धमधा, खुईखदान में 2, कुनकुरी, मकड़ी, मानपुर, लैलूँगा, पामगढ़ शिवरीनारायण, दुर्ग, बटोली, खड़गवा, दुलदुला, थानखमरिया, तखतपुर, रामानुजगंज, घरघोड़ा, रामानुजनगर, छुरा और सीतापुर में 1 सेंटीमीटर इसके अलावा कुछ इलाकों में इससे कम बारिश दर्ज की गई है।

हैदराबाद से जगदलपुर आ रही कृष्णा ट्रैवल्स की बस हादसे का शिकार, चालक-परिचालक सहित सभी यात्री सुरक्षित

श्रीकंचनपथ न्यूज

बीजापुर। हैदराबाद से जगदलपुर जा रही कृष्णा ट्रैवल्स की यात्री बस नैमेड में सुबह दुर्घटना ग्रस्त हो गई। हादसे में किसी को कोई नुकसान नहीं हुआ है। सभी यात्री और चालक परिचालक सुरक्षित हैं। नैमेड थाना प्रभारी जेएल सलाम ने बताया कि कृष्णा ट्रैवल्स की यात्री बस क्रमांक सीजी 17 केडब्ल्यू 0539 शुकवार को हैदराबाद से जगदलपुर यात्रियों को लेकर जा रही थी।

इसी बीच सुबह छह बजे के दरमियान बाईक सवार को बचाने के चलते बस अनियंत्रित होकर एनएच 63 के मुख्य सड़क से उतर गई और पंचायत भवन के सामने लगे बिजली खम्भे से जा टकराई। दुर्घटना में किसी यात्री और चालक परिचालक को चोट आई हैं। सभी सुरक्षित हैं।

भारत की विकास दर दुनिया के भविष्य को देगी नया आकार', टाटा संस के प्रमुख चंद्रयान-3 पर ये बोले

नई दिल्ली (एजेंसी)। बी 20 समिट के दौरान टाटा समूह के मुखिया एन चंद्रशेखरन ने एक देश के रूप में भारत की मजबूती और संभावनाओं पर चर्चा की। इस दौरान उन्होंने चंद्रयान-3 की सफलता पर भी अपने विचार रखे। बी20 इंडिया के प्रमुख एन चंद्रशेखरन ने शुक्रवार को कहा कि भारत डिजिटल व कृत्रिम मेधा (AI), ऊर्जा और मूल्य आपूर्ति श्रृंखला के वैश्विक बदलाव का नेतृत्व करने के लिए अच्छी स्थिति में है और देश की वृद्धि का सफर दुनिया के भविष्य को आकार देगा। बिजनेस 20 (बी20) वैश्विक कारोबारी समुदाय के लिए जी20 का आधिकारिक चर्चा मंच है। बी20 समिट इंडिया 2023 को संबोधित करते हुए चंद्रशेखरन ने कहा कि भारत की वृद्धि का सफर एक प्रतीक बनकर उभरा है और वैश्विक अर्थव्यवस्था में सकारात्मक रूप से अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहा है। ऐसे समय में जब वैश्विक अर्थव्यवस्था विपरीत परिस्थितियों, दशकों के सबसे कठिन दर चक्र और सार्वजनिक ऋण के रिकॉर्ड स्तर पर होने जैसी चुनौतियों का सामना कर रही हैं। चंद्रशेखरन टाटा संस के चेयरमैन भी हैं।

शिक्षा का अधिकार और खाली सीटें

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़ में शिक्षा का अधिकार (आरटीई) के तहत आरक्षित 10598 सीटें खाली रह गईं हैं। इनमें 5395 बच्चे ऐसे हैं, जिन्होंने लॉटरी में नाम आने के बाद भी एडमिशन नहीं लिया। इस बार आरटीई के तहत 6571 स्कूलों की 55191 सीटें आरक्षित थीं। पिछले साल आरक्षित सीटों की संख्या 80 हजार थी। इस बार 1।18 लाख से भी ज्यादा आवेदन आए थे। पर केवल 44593 छात्रों ने ही आरटीई की सीट का लाभ लिया है। शासन ने इसके लिए दो बार - 10 अप्रैल और 15 जुलाई तक आवेदन लिये थे। प्रवेश के लिए डेडलाइन 20 अगस्त थी। आरटीई के नोडल अफ्सर अशोक कुलदीप के मुताबिक आरटीई के तहत अब और दाखिले का कोई मतलब नहीं है। इसका कारण बताते हुए वो कहते हैं कि स्कूलों में दो महीने की पढ़ाई पूरी हो चुकी है। निजी स्कूलों में टेस्ट हो चुके हैं। त्रैमासिक परीक्षाएं प्रारंभ होने वाली हैं। ऐसे में नए बच्चों को दाखिला देकर उनका कोर्स पूरा करवाना असंभव होगा। प्रवेश प्रक्रिया में विलम्ब को वे खाली रह गई सीटों की वजह मानने से भी इंकार करते हैं। शायद वे सही कह रहे हैं। छत्तीसगढ़ में जीवन स्तर में तेजी से बदलाव हुए हैं। इसके साथ ही राज्य शासन ने स्कूली शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व क्रांति का सूत्रपात कर दिया है। आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालयों की लगातार बढ़ती संख्या ने एक तरफ जहां निजी स्कूलों के माथे पर बल ला दिया है वहीं आरटीई को भी लगभग अप्रासंगिक बना दिया है। वैसे भी निजी स्कूलों में आरटीई के तहत प्रवेश लेने वाले बच्चों से वहां दोयम दर्जे का ही व्यवहार किया जाता रहा है। एक ही क्लासरूम में 2-2, 3-3 कक्षा के विद्यार्थियों को बैठाना, प्रार्थना सभा में इन्हें अलग कतार में खड़ा करना, शालेय प्रतियोगिताओं में हिस्सेदारी से वंचित करना आम घटनाएं थीं। शिक्षा प्राप्त करने के लिए बेइज्जती सहना अब जरूरी नहीं रह गया है। इसलिए पिछले दो सालों में एक तरफ आत्मानंद स्कूलों की संख्या तेजी से बढ़ी है तो दूसरी तरफ आरटीई के लेवाल भी कम हुए हैं। बच्चों के पालक आरटीई के तहत आवेदन तो करते हैं पर आत्मानंद या ऐसे ही किसी उत्कृष्ट विद्यालय में प्रवेश मिल जाने पर उसे छोड़ भी देते हैं। यही वजह है कि लाटरी में नाम आने के बाद भी बड़ी संख्या में बच्चों ने प्रवेश नहीं लिया। इसलिए शासन ने जब दूसरा मौका दिया तब भी आरटीई की सीटें नहीं भरी जा सकीं। इसका एकमात्र कारण यही हो सकता है कि अप्रवेशी बच्चे थे ही नहीं। सभी ऐसे किसी स्कूल में दाखिला ले चुके थे जहां सम्मान के साथ शिक्षा प्राप्त करने का अवसर हो। राज्य शासन ने शिक्षा का बजट बढ़ा दिया है। आत्मानंद स्कूलों के साथ ही सरकारी स्कूलों के भी दिन बहुर रहे हैं। बच्चे ही नहीं, अब शिक्षक भी निजी स्कूलों को छोड़कर आत्मानंद स्कूलों में बेहतर भविष्य की तलाश कर रहे हैं।

संपादकीय

दुनिया में चर्चा

आज पूरी दुनिया में चंद्रयान-3 की सफलता चर्चा में है, तो कोई आश्चर्य नहीं। प्रतिक्रियाओं पर गौर करने से साफ पता चल जाता है कि कौन खुश है और कौन नाखुश। वैसे, दुनिया के ज्यादातर लोग आज खुश हैं कि इंसान का बनाया एक यान चांद पर एक दुर्लभ जगह पहली बार उतरा है। अंतरिक्ष विज्ञान में सफलतम देश अमेरिका में भारत की तारीफ हो रही है। जो अमेरिकी अखबार कभी भारत के अंतरिक्ष अभियानों का मजाक उड़ाया करते थे, वे भी तारीफों के पुल बांधते दिख रहे हैं। ये अखबार शायद अब भारत को देखने की अपनी दृष्टि में बदलाव लाने के लिए प्रेरित होंगे। कोई शक नहीं, अमेरिकी नेताओं ने खुलकर खुशी का इजहार किया है। रूस के राष्ट्रपति पुतिन की भी बधाई खास मायने रखती है। रूसी विमान लूना-25 दुर्भाग्य से अभी पांच दिन पहले ही नाकाम हुआ है, उसके बावजूद पुतिन ने आगे बढ़कर बधाई दी है। भारत कुछ पल के लिए ही सही, अपने मित्र देश रूस के राष्ट्राध्यक्ष का ध्यान युद्ध से हटाने में कामयाब हुआ है। किसी चीनी नेता से बयान की उम्मीद नहीं थी और चीनी अखबार भी खामोशी ओढ़े बैठे हैं, तो उनकी मजबूरी को समझा जा सकता है। दूसरी ओर, पाकिस्तान में खुशी जता रहे लोगों और अखबारों पर अनायास ध्यान जाता है। पाकिस्तान ने हमसे आठ साल पहले अपनी अंतरिक्ष विज्ञान एजेंसी सुपार्को की स्थापना की थी, पर वह संकीर्णता और मजहबी कट्टरता की सेवा में लगकर पिछड़ गया। अब भारत की हो रही प्रशंसा से भी पाकिस्तान को सकारात्मक प्रेरणा लेनी चाहिए। मानवीय वैज्ञानिक विकास में ही दक्षिण एशिया और दुनिया की खूबसूरती है। दुनिया की सर्वश्रेष्ठ अंतरिक्ष विज्ञान संस्था नासा की प्रतिक्रिया भी यादगार है। नासा के प्रमुख ने खुलकर खुशी व गर्व का इजहार किया है। स्पष्ट है कि आने वाले दिन इसरो और नासा के बीच सहयोग के होंगे। सबसे बड़ी बात कि भारत ने दुनिया को सकारात्मक सोच का अवसर दिया है। सकारात्मक दृष्टि रखने वाले अरब देशों में भी खुशी की लहर है। विशेष रूप से चंद्र अभियान के लिए प्रयासरत संयुक्त अरब अमीरात की खुशी दर्ज करने लायक है। ऐसे बहुत देश हैं, जो भारत के साथ अंतरिक्ष के मोर्चे पर सहयोग बढ़ाएंगे, पर स्वयं अपने देश में क्या प्रतिक्रिया है? बहुत से नेताओं को चंद्रयान के विषय में सही सूचना नहीं थी, अत: गलत या अनुचित प्रतिक्रियाएं भी आई हैं। कुल मिलाकर, देश में विज्ञान के लिए बेहतर व व्यापक माहौल बनाने की जरूरत फिर सामने आई है, जिस पर सभी को गौर करना चाहिए। हमारे लिए चंद्रयान-3 की सफलता गहरी भावुकता का अवसर भी है। हमारे देश ने अतीत में कितना और क्या-क्या झेला है? कोई भी बड़ी सफलता पीछे पलटकर विफलताओं की भी याद दिलाती है। गौर कीजिए, बीबीसी के एक एंकर का पुराना सवाल फिर चर्चा में आ गया कि क्या भारत को अंतरिक्ष कार्यक्रम पर इतना पैसा खर्च करने की जरूरत है? मतलब, जिस देश में गरीब भी रहते हों, क्या उसे वैज्ञानिक विकास पर ध्यान नहीं देना चाहिए? निस्संदेह, आने वाले समय में भारत के सामने बहुत से मौके आएंगे, जब दुनिया की प्रतिक्रिया ऐसी ही होगी, पर भारत आगे बढ़ना नहीं भूलेगा। आज हमारे पास आनंद महिंद्रा जैसे अनगिनत उद्योगपति व नेता हैं, जो भारत के आलोचकों की आंखों में आंखें डालकर बोल सकते हैं कि अगर भारत को सदियों तक लूटा न गया होता, तो भारत बहुत पहले ही चांद पर पहुंच जाता।

“ दुनिया की सर्वश्रेष्ठ अंतरिक्ष विज्ञान संस्था नासा की प्रतिक्रिया भी यादगार है। नासा के प्रमुख ने खुलकर खुशी व गर्व का इजहार किया है। स्पष्ट है कि आने वाले दिन इसरो और नासा के बीच सहयोग के होंगे। सबसे बड़ी बात कि भारत ने दुनिया को सकारात्मक सोच का अवसर दिया है। सकारात्मक दृष्टि रखने वाले अरब देशों में भी खुशी की लहर है। विशेष रूप से चंद्र अभियान के लिए प्रयासरत संयुक्त अरब अमीरात की खुशी दर्ज करने लायक है।

नए संविधान की बात पर विवाद क्यों?

भारत के संविधान में सौ बार से ज्यादा संशोधन हो चुके हैं। लेकिन दुर्भाग्य से भारत में जैसे ही संविधान समीक्षा या उस पर विचार करने या नया संविधान बनाने की बात होती है वैसे ही विवाद शुरू हो जाता है। जाने माने आर्थिक जानकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आर्थिक सलाहकार समिति के अध्यक्ष बिबेक देबरॉय ने एक लेख लिख कर यह विचार जाहिर किया कि अब संविधान को बदलने का समय आ गया है। उन्होंने देयर इज अ केस 'फॉर वी द पीपल' टु एंब्रेस अ न्यू कॉन्स्टिट्यूशन शीर्षक से अंग्रेजी के अखबार 'द मिंट' में लेख लिखा। इसमें उन्होंने कहा कि भारत में एक नया संविधान अपनाने का आधार दिख रहा है और इस बारे में विचार किया जाना चाहिए।

उनके इतना कहते ही देश के लोगों का एक बड़ा समूह उनके ऊपर टूट पड़ा। सोशल मीडिया में उनको गिरफ्तार करने की मांग शुरू हो गई। कहा जाने लगा कि वे संविधान विरोधी हैं और संविधान को नष्ट करना चाहते हैं। हैरानी की बात यह है कि ऐसा कहने वाले ज्यादातर लोग सेकुलर और उदार लोकतांत्रिक व्यवस्था में यकीन करने वाले लोग हैं। ऐसे लोग जिनको लगता है कि भाजपा के मौजूदा राज में लोकतंत्र खत्म हो रहा है और वाक व अभिव्यक्ति की आजादी छीनी जा रही है वे सब कहने लगे की देबरॉय की जुबान बंद की जाए। सोचें, यह कैसी हिप्पोक्रेसी है?

इस समूह ने देबराय का इतना ज्यादा विरोध किया कि उनको कहना पड़ा कि यह लेख उन्होंने निजी हैसियत से लिखा है और प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार समिति का इससे कोई लेना देना नहीं है। इससे पहले सन 2000 की फरवरी में अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार ने संविधान समीक्षा आयोग का गठन किया था और सुप्रीम कोर्ट के पूर्व चीफ जस्टिस एमएन वेंकटचलैया को उसका अध्यक्ष बनाया था। आयोग में सुप्रीम कोर्ट के रिटायर जज जस्टिस बीपी जीवन रेड्डी, जस्टिस आरएस सरकारिया, लोकसभा के पूर्व महासचिव सुभाष कश्यप, हाई कोर्ट के पूर्व जज जस्टिस के पुन्नैया, भारत सरकार के पूर्व अटॉर्नी जनरल के परासरन, लोकसभा के पूर्व स्पीकर पीए संगमा और जाने-माने कानूनविद् सोली सोराबजी सहित 10 सदस्य बनाए गए थे। आयोग का कार्यकाल पहले एक साल था। बाद में इसे एक साल के लिए और बढ़ाया गया।

ध्यान रह उस समय देश में गठबंधन की सरकारों का दौर था और केंद्र से लेकर राज्यों तक राजनीतिक अस्थिरता थी। उसका हवाला देकर वाजपेयी ने कहा था कि केंद्र और राज्य, दोनों जगहों पर स्थायित्व की आवश्यकता महसूस की जा रही है। इसके अलावा उन्होंने सामाजिक, आर्थिक विकास के लिए लोगों की आकांक्षाओं का हवाला भी दिया था। क्षेत्रीय व सामाजिक असंतुलन को खत्म करने के लिए नई व्यवस्था बनाने की जरूरत भी बताई थी। और साथ ही यह भी स्पष्ट किया था कि संविधान समीक्षा आयोग मौजूदा संविधान के बुनियादी ढांचे और इसके आदर्शों व मूल भावनाओं से कोई छेड़छाड़ नहीं करेगा। विपक्ष का ने यह कहते हुए इसका विरोध किया कि भाजपा संविधान बदल कर अपनी पसंद का संविधान बनाना चाहती है। इस आधार पर विपक्ष ने इस आयोग में शामिल होने से इनकार कर दिया।

इस बार बिबेक देबरॉय ने 23 साल के बाद उन्हीं तर्कों के आधार पर कहा है कि भारत में नए संविधान की जरूरत है। उन्होंने बदली सामाजिक, राजनीतिक व आर्थिक परिस्थितियों का हवाला दिया है और साथ ही पिछले 73 साल में संविधान में हुए बदलावों का भी हवाला दिया है।

“ **एक बड़ा सवाल यह भी पूछा जा रहा है कि क्या ब्रिक्स के जरिये चीन जी-7 जैसा एक समूह खड़ा करना चाहता है? क्या ब्रिक्स को पश्चिम विरोधी गुट के तौर पर देखा जाएगा? इसका मुख्य उद्देश्य क्या सिर्फ कारोबार और आर्थिक सहयोग होगा या फिर यह वैश्विक 'जियोपॉलिटिक्स' में एक नया अध्याय लिखेगा? क्या यह वंचित या विकासशील दुनिया अर्थात ग्लोबल साउथ की मजबूती का एक जरिया बनेगा?**

ब्रिक्स में बुलंद हो भारत की आवाज

नगमा सहर, वरिष्ठ टीवी पत्रकार

यह दुनिया के पांच ताकतवर देशों का समूह है, जिसे ब्रिक्स कहा जाता है। ब्रिक्स के ही एक सदस्य देश दक्षिण अफ्रीका के जोहानिसबर्ग में हुए 15वें सम्मेलन में समूह के विस्तार पर जो सहमति बनी है, उसके बाद इस संगठन की दिशा और दशा, दोनों में बदलाव की भरपूर संभावनाएं दिखने लगी हैं। ब्राजील, भारत, रूस, चीन और दक्षिण अफ्रीका, पांच देशों वाले इस समूह से लगभग 40 और देश जुड़ना चाहते हैं। 14 साल पहले जब भारत, ब्राजील, चीन और रूस ने मिलकर यह समूह बनाया था, तब इसका उद्देश्य इन देशों में व्यापार और विकास को आगे बढ़ाना था। दक्षिण अफ्रीका इस समूह से साल 2010 में जुड़ा और उसके बाद से किसी भी देश को इस समूह में शामिल नहीं किया गया है।

ब्रिक्स के ताजा सम्मेलन का दूसरा बड़ा फोकस रहा सदस्य देशों का व्यापार। साझा मुद्रा की चर्चा तो एजेंडे से बाहर थी, लेकिन इसकी जगह कई स्तरों पर इन देशों की स्थानीय मुद्रा में व्यापार को सरल बनाने पर जोर दिया गया है। मसलन, चीन और ब्राजील ने इसी साल समझौता किया है कि दोनों अपनी मुद्रा में ही व्यापार करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में साफ कहा कि भारत ब्रिक्स के विस्तार का समर्थन करता है, लेकिन इसमें सबकी सहमति के साथ आगे बढ़ना है। इसके लिए जो पांच सुझाव दिए गए हैं, उनमें बहुत महत्वपूर्ण है कि ब्रिक्स के सदस्य देश सारी रुकावटों और बाधाओं को हटाएं, अपनी-अपनी अर्थव्यवस्था में नई ऊर्जा भरने के लिए साथ आएं, विकास के नए अवसर पैदा किए जाएं और भविष्य की

नई दिशा तय हो। एक तरह से भारत ने ब्रिक्स के विस्तार का उद्देश्य भी साफकर दिया है।

ब्रिक्स के देशों में दुनिया की 42 फीसदी आबादी रहती है और विश्व के सकल घरेलू उत्पाद का 23 फीसदी हिस्सा इन्हीं पांच देशों से आता है। बहुत दिलचस्प होगा यह देखना कि इसमें अगर सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) जैसे देश भी शामिल हो जाएंगे, तो इसका सामरिक और आर्थिक परिणाम क्या होगा?

गौर करने वाली बात है कि भारत की तरफसे इस विस्तार पर पहले आशंका भी जताई गई थी और ब्राजील भी इसके बहुत पक्ष में नहीं था। एक आशंका हमेशा बनी रही है कि कहीं ब्रिक्स चीन केंद्रित गुट न बन जाए। युद्ध के चलते रूस पर पश्चिमी देशों के कई आर्थिक प्रतिबंध लगे हुए हैं। ऐसे में, रूस अब चीन के जूनियर पार्टनर के रूप में नजर आने लगा है। दुनिया ही नहीं, ब्रिक्स में भी रूस का पहले जैसा दबदबा नहीं रहा, जबकि चीन की आर्थिक हैसियत अभी ब्रिक्स गुट के अन्य देशों से ज्यादा है।

एक बड़ा सवाल यह भी पूछा जा रहा है कि क्या ब्रिक्स के जरिये चीन जी-7 जैसा एक समूह खड़ा करना चाहता है? क्या ब्रिक्स को पश्चिम विरोधी गुट के तौर पर देखा जाएगा? इसका मुख्य उद्देश्य क्या सिर्फ कारोबार और आर्थिक सहयोग होगा या फिर यह वैश्विक 'जियोपॉलिटिक्स' में एक नया अध्याय लिखेगा? क्या यह वंचित या विकासशील दुनिया अर्थात ग्लोबल साउथ की मजबूती का एक जरिया बनेगा? फाइनेंशियल टाइम्स की एक रिपोर्ट बताती है कि चीन ब्रिक्स को जी-7 के मुकाबले खड़ा करना चाहता है। ऐसे में, सबसे बड़ी दुविधा भारत के लिए होगी, अगर इसका स्वरूप नाटो विरोधी गुट जैसा बन जाता है, तो भारत के लिए विश्व स्तर पर संतुलन बनाए रखने की चुनौती बड़ी हो जाएगी।

आज यह सर्वविदित तथ्य है कि दुनिया के स्तर पर नाना प्रकार के वैश्विक समूह जटिलता बढ़ाते चले जा रहे हैं। भारत की बात करें, तो वह अभी ब्रिक्स का भी सदस्य है, पर साथ ही क्वाड में भी शामिल है। क्वाड में जापान, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका और भारत सदस्य हैं। हालांकि, इसकी स्थापना साल 2004 में उस भयंकर सुनामी के बाद की गई थी, जिसमें 14 देशों के लाखों लोग मारे गए थे। हिंद प्रशांत क्षेत्र में ऐसी बड़ी आपदाओं से एक साथ मिलकर जूझने के लिए ये देश साथ आए थे। कोविड के दौरान सितंबर 2021 में क्वाड देशों के नेता आमने-सामने मिले। इसका फोकस रहा- इन देशों में आपसी कारोबारी रिश्ते बढ़ाना, सुरक्षा और समुद्री सहयोग को मजबूत करना। साथ ही, चीन की बढ़ती आक्रामकता और चुनौती का मुकाबला करना। यह भी साफ है कि चीन ने क्वाड को हमेशा हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन विरोधी गठबंधन के रूप में देखा है। भारत व अमेरिका की नौसेना जापान के साथ मिलकर जब युद्धाभ्यास करती है, तो चीन खुलकर आपत्ति जताता है। आज की वैश्विक विडंबना देखिए, फिर भी चीन और भारत ब्रिक्स में साथ रहने को विवश हैं। भारत की दुविधा यह है कि वह चीन को भी पूरी तरह से नाराज नहीं करना चाहता है, क्योंकि चीन परमाणु आपूर्तिकर्ता समूह से भारत को बाहर कर सकता है। फिर भी हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती आक्रामकता ने क्वाड 2.0 को नई शुरुआत दी है।

ऐसा लगता है कि भारत ब्रिक्स की ओर झुके या क्वाड की ओर, आने वाले समय में भारत के लिए संतुलन बनाने की चुनौती बनी रहेगी। अमेरिका सहित दूसरे पश्चिमी देशों के साथ भारत के संबंध अच्छे हैं और रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान भी भारत ने अपनी स्वतंत्र विदेश नीति अपनाई है, जिसमें वह रूस के खिलाफ भी नहीं है और शांति के भी पक्ष में है।

हां, भारत के लिए ब्रिक्स की एक सामरिक अहमियत है। आज बंटी हुई दुनिया में भारत खुद को बीच में पाता है। ब्रिक्स एक अहम मंच है, भारत जहां रूस-चीन कोण और अमेरिका के बीच संतुलन बना सकता है। तमाम समूहों के बीच भारत को अपना आर्थिक हित भी देखना है। आर्थिक वैश्विक पटल पर ब्रिक्स के देश अंतरराष्ट्रीय लेन-देन और कारोबार में सुधार की कोशिश में हैं। भारत की मौजूदगी यहां जरूरी है।

चूंकि ब्रिक्स विकासशील देशों की आवाज बनता दिख रहा है, इसलिए उसमें भारत की आवाज बुलंद होनी चाहिए। पश्चिमी प्रभुत्व वाले वैश्विक संगठनों से दुनिया के अनेक देशों का मोहभंग हो रहा है। व्यापार के नियमों में बेईमानी, सख्त प्रतिबंध, गरीब देशों की जरूरतों की अनदेखी से भी ब्रिक्स जैसे संगठन को बल मिल रहा है। यह समूह शायद दुनिया में एक मजबूत विकल्प बनकर खड़ा हो रहा है।

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

स्वदेशी और विदेशी के संतुलन से मिलेगा खुले बाजार का लाभ

प्रमीत भट्टाचार्य, वरिष्ठ पत्रकार

लैपटॉप जैसे उत्पादों के लिए आनन-फानन में घोषित नई आयात नीति ने भारत में कुख्यात लाइसेंस राज का जिन्न बोतल से निकाल दिया है। चिंता है कि यह कदम भारत को 1991 से पहले की व्यापार-नीति वाले दौर में ले जाएगा, जब आयात पर सख्त नियंत्रण रखा जाता था। इससे भारतीय कंपनियां मुकाबले से बाहर हो सकती हैं। दरअसल, उत्पादों, सेवाओं और पूंजी के अंतरराष्ट्रीय प्रवाह पर लगे प्रतिबंधों को 1991 के आर्थिक उदारीकरण ने हटा दिया। नीति-निर्माताओं ने माना था कि भूमंडलीकृत दुनिया में आयात पर टैक्स लगाने से निर्यात प्रभावित होता है, क्योंकि ज्यादातर उद्योग अंतरराष्ट्रीय स्रोत पर निर्भर होते हैं। 1990 के दशक की शुरुआत में किए गए इन सुधारों ने विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्द्धा करने योग्य कई कंपनियों को पंख दिए। नतीजतन, बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था ने खासा राजस्व कमाया, उदार कल्याणकारी राष्ट्र को कोष बढ़ाने में मदद मिली और करोड़ों को गरीबी की खाई से बाहर निकाला गया। फिर भी,

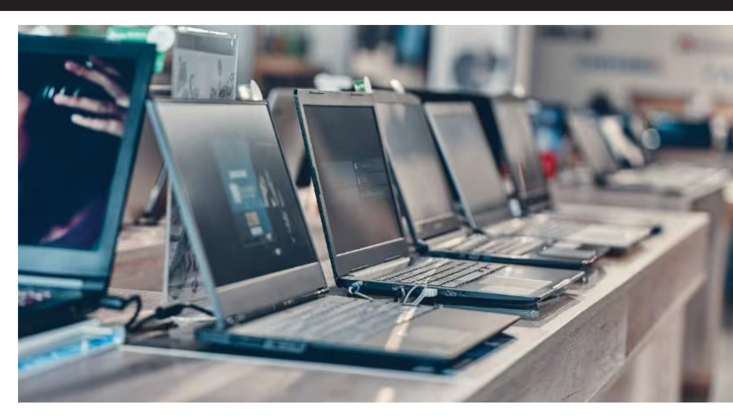

आर्थिक राष्ट्रवाद के वृंदगान में लुटियंस दिल्ली फिर से मुग्ध है।

जिस मुक्त व्यापार से हमें लाभ हुआ, उस पर संदेह की एक बड़ी वजह है, आर्थिक इतिहास के बारे में हमारी अस्पष्ट धारणा। भारत के आर्थिक अतीत की जानकारी मुख्यत: उन लोगों द्वारा दी गई है, जिनका तर्क रहा है कि मुक्त व्यापार की आड़ में ब्रिटिश उपनिवेशवादियों ने भारत को लूट लिया। ऐसे लोग उन गंभीर आर्थिक इतिहासकारों को खारिज करते हैं, जिन्होंने औपनिवेशिक विरासत की कहीं अधिक जटिल तस्वीर पेश की है। मसलन, डेव डोनाल्डसन के शोध से पता चलता है कि रेलवे में निवेश से कृषि बाजार को एकीकृत करने में मदद मिली, अकाल की घटनाओं में कमी आई, खाद्यान्नों की कीमतें कम हुईं और वास्तविक आय स्तर में इजाफा हुआ।

हमें ब्रिटिश आर्थिक विरासत का मूल्यांकन उसके लाभ व हानि, दोनों कसौटी पर करना चाहिए, जैसा कि तीर्थंकर राय ने हाउ ब्रिटिश रूल चेंज्ड इंडियाज इकोनॉमी : द पैराडॉक्स ऑफ द राज में लिखा है। भारत के प्रसिद्ध आर्थिक इतिहासकारों में शुमार रॉय लिखते हैं कि आलोचकों ने जिसे 'पूंजी-दोहन' कहा, वह भारतीय फैक्टरी मालिकों द्वारा नियुक्त यूरोपीय प्रबंधकों व तकनीशियनों को सेवाओं के लिए किया गया भुगतान था। चूंकि भारतीय अर्थव्यवस्था ब्रिटिशों के साथ नत्थी थी, इसलिए भारतीय उद्योगपति वैश्विक बाजार से प्रतिभा व पूंजी जुटाने में सक्षम हुए। हां, औपनिवेशिक शासन का आर्थिक असर समान नहीं था। जैसे, ग्रामीण भारत में बड़ा सार्वजनिक निवेश नहीं देखा गया, न ही आधुनिक शिक्षा का लाभ समाज के सभी वर्गों तक पहुंच सका। आर्थिक इतिहासकार लतिका चौधरी के शोध से पता चलता है कि ऊंची जातियां और अभिजात वर्ग स्कूलों में किए जाने वाले सार्वजनिक-निजी निवेश का लाभ हड़प लेते थे। मुख्यत: ब्रिटिश अधिकारियों और कुलीन समूहों के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य में निवेश किए जाते थे। ब्रिटिश प्रशासन गरीबी उन्मूलन के लिए भी सार्वजनिक निवेश को लेकर उत्सुक नहीं था। जाहिर है, जैसा रॉय ने लिखा है, औपनिवेशिक विरासत बड़ी सफलता भी है और असाधारण विफलता भी।

फिर भी, ब्रिटिश शासन की चर्चा करते वक्त इन फायदों को दरगुजर किया जाता है। दादाभाई नौरोजी और रोमेश चंद्र दत्त जैसों के लेखन में भी ब्रिटिश शासन को समाप्त करने की वकालत नहीं दिखती, पर उनकी बातें राष्ट्रवादियों के लिए उपयोगी खुराक बन गईं। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान भारतीयों को संगठित करने के लिए स्वदेशी आंदोलन को एक शक्तिशाली औजार बनाया गया, लेकिन पूंजी-दोहन के सिद्धांत के आर्थिक तर्कों से हर कोई सहमत नहीं था। यहां तक कि बंगाली लेखक बंकिम चंद्र चटर्जी ने भी इसे मानने से इनकार कर दिया, मगर तमाम राजनीतिक दल स्वदेशी के गुण गाते रहे हैं।

उपनिवेशवाद के नुकसान को बढ़ा-चढ़ाकर पेश करने से आजाद राष्ट्र को शुरुआती वर्षों में एकजुट होने में भले मदद मिली हो, पर आजादी के 76 साल बाद हमें औपनिवेशिक विरासत पर कहीं अधिक परिपक्व बहस करनी चाहिए। इससे हमें खुलेपन और विश्व-बंधुत्व के मूल्यों को कहीं बेहतर समझने में मदद मिल सकेगी।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

थाईलैंड का करतबी नेता थाकसिन!

श्रुति व्यास

थाकसिन शिनवात्रा उस दौर में थाईलैंड के लोकलुभावन नेता थे जब लोकलुभावन बातें करने का फैशन नहीं था। वे एक पुलिस अधिकारी से टेलिकॉम सेक्टर के शहंशाह बने और फिर राजनीतिज्ञ। थाकसिन शिनवात्रा ने एक पार्टी बनाई थाई रेक थाई (थाई लोग थाई लोगों से प्यार करते हैं) और वे बहुत जल्दी गांवों में रहने वाले गरीबों और दबे-कुचलों में लोकप्रिय हो गए। सन् 2001 में उन्होंने एक बड़ी चुनावी जीत के जरिए सत्ता हासिल की। लेकिन 2006 में सेना ने उनका तख्ता पलट दिया और वे देश छोड़कर जाने को मजबूर हो गए। लेकिन उनकी लोकप्रियता कायम रही।

थाकसिन का कार्यकाल आर्थिक समृद्धि और बेहतरी के लिए जाना जाता है। उन्होंने ऐसी नीतियां लागू कीं जिनसे ग्रामीण क्षेत्र के निवासियों का जीवन स्तर बेहतर हुआ। उन्होंने सबके लिए स्वास्थ्य देखभाल योजना लागू की, विकास को प्रोत्साहन देने के लिए गांव के स्तर पर धन उपलब्ध करवाया और उद्यमिता को बढ़ावा देने वाली योजनाएं लागू कीं जिनसे देश को एशियाई आर्थिक संकट से उबरने में सहायता मिली। उनके कार्यकाल में ही थाईलैंड आईएमएफ का ऋण तय तारीख से पहले चुकाने में सफल रहा। वे जनता में सबसे अधिक लोकप्रिय थे किन्तु देश के दो प्रमुख सत्ता केन्द्र- सेना और राजपरिवार-उन्हें नापसंद करते थे।

इसका नतीजा यह हुआ कि वे दिन पर दिन बाटों और राज करों की की पैतरेबाजी करने लगे। थाकसिन और सेना व राज परिवार में उनके विरोधियों के बीच टकराव हुआ। थाईलैंड एक बंटा हुआ देश बन गया। राजनैतिक उथलपुथल शुरू हुई। उनके कंजरवेटिव आलोचकों ने उन पर भ्रष्टाचार और सत्ता के दुरूपयोग के आरोप लगाए। उन पर सिद्धांतहीन होने और राजवंश को ज़रूरी इज्ज़त न देने का आरोप भी लगा। यह भी कहा गया कि उनसे राजपरिवार की सत्ता को खतरा है।

तभी सेना ने दो बार तख्तापलट कर सत्ता कब्जाई। अदालतों ने बार-बार राजनीतिक दलों को भंग किया। कई नेताओं के राजनीति में भाग लेने पर पाबंदी लगा दी गई। लंबे समय तक बैंकाक की सड़कों पर विरोध प्रदर्शन होते रहे। सेना की कार्यवाहियों में थाकसिन के 90 से अधिक समर्थक मारे गए।

थाकसिन को 2006 में हुए तख्तापलट में सेना ने सत्ता से हटाया। फिर वे कानूनी कार्यवाहियां से बचने के लिए 2008 में देश छोड़ बाहर जा बसे। लेकिन देश से बाहर रहने के बावजूद उनका प्रभाव बना रहा। सन् 2001 के बाद हुए हर चुनाव में उनसे जुड़ी पार्टियों ने सबसे ज्यादा सीटों पर जीत हासिल की केवल इस साल हुए चुनाव को

छोड़कर, जब लोकतंत्र समर्थक मूव फारवर्ड पार्टी ने सभी को चौंकाते हुए सबसे अधिक वोट हासिल किए। लेकिन जीत के बावजूद सेना की धांधली के चलते मूव फारवर्ड, सरकार नहीं बना सकी। काफी गतिरोध और अनिश्चितता के दौर के बाद 22 अगस्त को श्रेथा थाविसिन, जो प्रॉपर्टी के बड़े व्यवसायी और थाकसिन की फेऊ थाई पार्टी के उम्मीदवार थे, को प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया। सीधे शब्दों में सेना और थाकसेन की पार्टी के बीच 'साझा सर्वसम्मति' बनी ताकि नए दौर का प्रतिनिधित्व करने वाली मूव फारवर्ड पार्टी (हालांकि वह फिलहाल मुख्य विपक्षी पार्टी बन गई है) को राजनीति और सत्ता से दूर रखा जा सके।

थाकसिन, जो पहले सत्ता प्रतिष्ठान के आलोचक थे, ने दो सबसे बड़े फौजी दलों से गठबंधन कर लिया है। उन्होंने ठीक वही किया है जिसे कभी न करने की कसम फेऊ थाई ने खाई थी। 22 अगस्त को ही जिस दिन नए प्रधानमंत्री की नियुक्ति की गई। थाकसिन ने 15 साल के निवार्सन के बाद थाईलैंड की भूमि पर कदम रखा। आते ही उन्होंने पहला काम सम्राट की प्रतिमा के सामने सर झुकाने का किया। उसके बाद उन्हें लंबे समय पहले लगाए गए भ्रष्टाचार के आरोपों में गिरफ्तार कर लिया गया, जिसमें उन्हें आठ साल की जेल की सजा सुनाई जा चुकी है। लेकिन अनुमान है कि उन्हें शीघ्र ही सम्राट द्वारा क्षमादान दे दिया जाएगा। 78 वर्षीय थाकसिन का कहना है कि वे थाईलैंड इसलिए वापस आए हैं ताकि वे अपने नाती-पोतों के साथ रह सकें। लेकिन नई सरकार के गठन में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका, उसके बाद उनका वापस आना, और 'सम्राट के क्षमादान' की अपेक्षा इन सबसे उनकी राजनीति और सत्ता में वापसी के संकेत मिलते हैं।

हालांकि थाकसेन को आज भी पहले जितना समर्थन हासिल है, विशेषकर बुजुर्गों और ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वालों का जो विमानतल पर भी देखा गया, किंतु ऐसे बहुत से लोग हैं जो उनकी अवसरवादिता से नाराज हैं। कुछ समर्थकों का कहना है कि वे समझते हैं कि पिछले तख्तापलट के बाद खड़ी की गई चुनावी बाधाओं से पार पाने के लिए पार्टी का यह करना जरूरी था। दूसरा मत यह है कि यह इस बात का संकेत है कि पार्टी ने अपने लोकतांत्रिक मूल्यों को त्याग दिया है, और यह सवाल भी पूछा जा रहा है कि क्या यह कदम थाकसिन के वापस आने के लिए किए गए समझौते का एक हिस्सा है?

लेकिन लोगों को उनकी वापसी से बहुत उम्मीदें हैं। उनका आर्थिक समृद्धि हासिल करने का रिकार्ड है, इसलिए थाईयों को आशा है कि उनकी पार्टी सेना के चंगुल में नहीं फंसेगी और सोच-समझकर, बिना डरे अपने पूरे कार्यकाल तक सरकार चलाएगी। परन्तु एक समस्या यह है कि थाई लोगों के पास अब विकल्प है। मूव फारवर्ड ने युवाओं में काफी लोकप्रियता हासिल कर ली है और वह थाईलैंड का सबसे लोकप्रिय दल बन गया है। तभी देखना है कि थाकसेन की पार्टी, जो पहले सबसे लोकप्रिय थी, अपना पुराना समर्थन दुबारा हासिल कर पाएगी या नहीं। या फिर मूव फारवर्ड पार्टी अपने युवा प्रमुख के नेतृत्व में थाईयों के लिए एक नई आशा की किरण बनेगी। कुछ भी हो थाईलैंड की राजनीति, जो पहले अनिश्चिततापूर्ण थी, थाकसिन शिनात्रा की वापसी के अब दिलचस्प हो गई है क्योंकि पहले से बनी हुई विभाजन की स्थिति अब और अधिक विभाजित होने जा रही है।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान
विज्ञापन के लिए संपर्क करे:-
9827806026,
7869620239

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

ADMISSION OPEN
COMMERCE GURU
12th CLASS
REGULAR STUDENT
GET CLASS 11th SYLLABUS CLASSES for FREE
APPLY NOW
www.commerceguru.in @commerceguru
commerceguru2011@gmail.com
35,Gourav Path, Sundar Nagar,Bhilai
+91 9644454810
+91 8103338634

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

बोलेगा बचपन अभियान से निखर रही जिले के बच्चों की प्रतिभा

गरियाबंद। जिले के स्कूली बच्चों की छुपी हुई प्रतिभा को सामने लाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा बोलेगा बचपन अभियान का संचालन किया जा रहा है। इसके अंतर्गत विभिन्न विधाओं में कक्षा पहली से 12वीं तक के बच्चों के विशिष्ट प्रतिभा को आगे लाने के लिए विभिन्न गतिविधियों का क्रियान्वयन किया जा रहा है। बोलेगा बचपन अभियान के फ्लस्वरूप बच्चों की अद्भुत प्रतिभा सामने आ रही है। साथ ही बच्चों को आत्मविश्वास के साथ बेझिझक बोलने का अभ्यास भी हो रहा है। अभियान के तहत प्रतिदिन स्कूलों में प्रार्थना के समय बच्चों को कविता, आत्म परिचय, श्रुति लेखन, पुस्तक वाचन, भाषण, तात्कालिक निबंध, वाद विवाद विधा अंतर्गत बोलने का अभ्यास कराया जा रहा है। इसमें बच्चे उत्साह के साथ भाग ले रहे है। जिससे उनकी छुपी हुई प्रतिभा निखर रही है। अगस्त माह के पिछले तीन शनिवार को शाला, संकुल एवं विकासखंड स्तर पर उपरोक्त विधाओं में प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। तत्पश्चात आज गरियाबंद के स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल में जिला स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में पिछले चरणों में विजेता हुए बच्चे शामिल हुए। कलेक्टर आकाश छिकारा ने आज बोलेगा बचपन अभियान के जिला स्तरीय प्रतियोगिता में शामिल होकर विजेताओं को पुरस्कृत किया। साथ ही बोलेगा बचपन अभियान में सक्रियता के साथ भाग लेने के लिए सभी बच्चों का उत्साहवर्धन किया। इस दौरान अभियान के नोडल अधिकारी द्वय श्याम चंद्राकर, मनोज केला, सभी बीईओ, बीआरसीसी गण, प्रधान पाठक एवं स्कूली बच्चे मौजूद रहे।

सकारात्मक पत्रकारिता से देश-दुनिया में हो रहे हैं सार्थक बदलाव

कोंडागांव। भारत सरकार, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) रायपुर द्वारा गुरुवार को कोंडागांव जिले में ग्रामीण पत्रकारों के लिए मीडिया कार्यशाला 'वार्तालाप' का आयोजन किया गया। इसमें जिले के विभिन्न मीडिया संस्थानों से जुड़े पत्रकारों की उपस्थिति रही। उन्हें केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों द्वारा जिले में चलाई जा रही योजनाओं से अवगत कराया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत के मुख्य कार्यापालन अधिकारी प्रेम प्रकाश शर्मा रहे। उन्होंने कहा कि कोंडागांव के विकास में स्थानीय पत्रकारों का अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान है। पत्रकारों की कर्मठता की देन है कि कोंडागांव के विकास संबंधी समाचार देश-दुनिया के प्रतिष्ठित मीडिया संस्थानों में स्थान पाते हैं। उन्होंने कहा कि पत्रकार तीसरा पक्ष होने के कारण प्राय: निष्पक्ष होते हैं। इस कारण उनकी खबरों को प्रशासन भी सत्य मान कर उस पर अमल करता है। पत्रकारिता का पेशा अपहुंच तक अपनी पहुंच बनाता है। पत्रकार नदी-नालों जैसे दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों को पार कर समाचार संकलित करते हैं। ऐसे ही सकारात्मक पत्रकारिता के कारण ही देश-दुनिया में सार्थक बदलाव हो रहे हैं। उन्होंने अपने निजी अनुभवों के विविध उदाहरण पेश कर पत्रकारिता के कारण प्रशासनिक गतिविधियों में हुए बदलाव के बारे में बताया। उन्होंने सूचना प्रसार के लिए पीआईबी की महत्ता पर भी प्रकाश डाला। सीईओ ने कहा कि पीआईबी अपने कार्यों से लगातार जनहित के मुद्दों पर सरकार को फीडबैक देने का कार्य करता रहता है। उन्होंने कोंडागांव में वार्तालाप के आयोजन के लिए पीआईबी को धन्यवाद दिया। इससे पहले कार्यक्रम की शुरूआत द्वीप प्रज्वलित कर हुई।

आयुष संस्थाओं में स्वच्छता को बढ़ावा देने और संक्रमण की रोकथाम के लिए कायाकल्प-आयुष का क्रियान्वयन

छत्तीसगढ़ ऐसा करने वाला देश का पहला राज्य

उप मुख्यमंत्री टी.एस. सिंहदेव ने स्वच्छता, और संक्रमण की रोकथाम के लिए उत्कृष्ट कार्य करने वाले 25 आयुष संस्थाओं को दिए पुरस्कार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री टी.एस. सिंहदेव ने स्वच्छता को बढ़ावा देने, संक्रमण की रोकथाम और अपशिष्ट प्रबंधन में उत्कृष्ट कार्य करने वाले राज्य के 25 आयुष संस्थाओं को पुरस्कार प्रदान किया। उन्होंने आज रायपुर के एक निजी होटल में आयोजित कायाकल्प-आयुष पुरस्कार समारोह में ये पुरस्कार वितरित किए। स्वच्छता, संक्रमण नियंत्रण तथा स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता का चार चरणों में मूल्यांकन के बाद उत्कृष्ट पाए गए 25 आयुष संस्थाओं का इन पुरस्कारों के लिए चयन किया गया था। राष्ट्रीय आयुष मिशन के अंतर्गत केन्द्रीय आयुष मंत्रालय के दिशा-निर्देशानुसार आयुष संस्थाओं में स्वच्छता को बढ़ावा देने, संक्रमण की रोकथाम तथा अपशिष्ट प्रबंधन के साथ गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराने के लिए प्रदेश में कायाकल्प-आयुष का क्रियान्वयन किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ ऐसा करने वाला देश का पहला राज्य है।

कायाकल्प-आयुष की शुरूआत के बाद पूरे देश में आज पहली बार छत्तीसगढ़ में आयुष संस्थाओं के मूल्यांकन के बाद चयनित संस्थाओं को पुरस्कृत किया गया। संसदीय सचिव विकास उपाध्याय, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष कुलदीप जुनेजा, विधायक सत्यनारायण शर्मा, रायपुर नगर निगम के सभापति प्रमोद दुबे, रायपुर जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती डोमेश्वरी वर्मा, केन्द्रीय आयुष मंत्रालय की संयुक्त सचिव श्रीमती कविता गर्ग और चिकित्सा शिक्षा विभाग की अपर मुख्य सचिव श्रीमती रेणु जी. पिल्लै भी कायाकल्प-आयुष पुरस्कार समारोह में शामिल हुईं।

उप मुख्यमंत्री सिंहदेव ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में प्रदेश की आयुष संस्थाओं में काफी बदलाव आया है। राज्य और केंद्र सरकार से इसके लिए लगातार सहयोग और राशि मिल रही है। उन्होंने इनका सदुपयोग करते हुए इन पद्धतियों का ज्यादा से ज्यादा लाभ लोगों तक पहुंचाने तथा आयुष संस्थाओं को सुदृढ़ बनाने में करने को कहा। उन्होंने आयुष संस्थाओं के डॉक्टरों और स्टॉफ को बधाई देते हुए कहा कि आप लोगों ने छत्तीसगढ़ को गौरव प्रदान किया है। इसके लिए मैं आप लोगों को धन्यवाद देता हूं। पूरे देश में आज पहली बार आयुष संस्थाओं के मूल्यांकन के बाद उन्हें पुरस्कार दिए जा रहे हैं। जिन संस्थाओं को आज पुरस्कार मिल रहा है वे अन्य संस्थाओं के लिए पथ प्रदर्शक बनने के साथ ही अपना स्तर लगातार आगे लेकर जाएं।

केन्द्रीय आयुष मंत्रालय की संयुक्त सचिव और राष्ट्रीय आयुष मिशन की प्रभारी श्रीमती कविता गर्ग ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि वैश्विक परिदृश्य में आयुष लगातार अपना स्थान बना रहा है। भारत पूरी दुनिया में इसका अगुवा बन सकता है। उन्होंने आयुष को बढ़ावा देने और आयुष संस्थानों की मजबूती के लिए छत्तीसगढ़ द्वारा किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा की। उन्होंने बताया कि यहां 400 आयुष हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर्स फंक्शनल है। छत्तीसगढ़ को इसके लिए जो लक्ष्य दिया गया था उसे राज्य ने शत-प्रतिशत हासिल किया है। श्रीमती गर्ग ने छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय आयुष मिशन के अंतर्गत कायाकल्प-आयुष के क्रियान्वयन को भी काफी सराहा। उन्होंने कहा कि यहां की आयुष संस्थाएं वॉलिंटियर) कर पूरे भारत में जाएं और दूसरे राज्यों के अस्पतालों को बताएं कि उन्होंने यहां इसे कैसे अंजाम दिया।

चिकित्सा शिक्षा विभाग की अपर मुख्य सचिव श्रीमती रेणु जी. पिल्लै ने समारोह में बताया कि 1174 आयुष संस्थाओं में से 1054 संस्थाओं ने कायाकल्प-आयुष में भागीदारी की। राज्य की 90 प्रतिशत संस्थाओं की सहभागिता काफी उत्साहवर्धक है। उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले समय में राज्य की सभी आयुष संस्थाएं इसमें हिस्सा लेंगी। उन्होंने राज्य की आयुष संस्थाओं में स्वच्छता, संक्रमण पर नियंत्रण और अपशिष्ट प्रबंधन के लिए किए गए कार्यों के लिए सभी संस्थाओं और वहां की टीम को बधाई दी।

इन अस्पतालों को मिला पुरस्कार

कायाकल्प-आयुष के अंतर्गत जिला आयुर्वेद चिकित्सालय श्रेणी में जिला आयुर्वेद चिकित्सालय जगदलपुर को प्रथम पुरस्कार मिला। जिला एलोपैथी चिकित्सालय जगदलपुर में सहस्थापित आयुष विंग तथा आयुष स्पेशलाइज्ड थेरेपी सेंटर सूरजपुर को अपनी-अपनी श्रेणी में प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ। इन तीनों संस्थाओं को क्रमश: दो लाख रूपए, डेढ़ लाख रूपए और सवा लाख रूपए की पुरस्कार राशि दी गई। राजनांदगांव जिले के आयुष स्पेशलाइज्ड थेरेपी सेंटर डोंगरगढ़ को 50 हजार रूपए का द्वितीय पुरस्कार प्रदान किया गया। आयुष औषधालय श्रेणी में हर संभाग के तीन-तीन संस्थाओं को पुरस्कृत किया गया। इन्हें प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार के रूप में क्रमश: 75 हजार रूपए, 50 हजार रूपए और 25 हजार रूपए की पुरस्कार राशि दी गई।

रायपुर संभाग में गरियाबंद जिले के आयुर्वेद औषधालय अकलवारा को प्रथम, धमतरी के आयुर्वेद औषधालय परसापानी को द्वितीय और रायपुर के आयुर्वेद औषधालय टेकारी (जुलुम) को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। बिलासपुर संभाग में रायगढ़ जिले के बर्रा, भेडवन और समकेरा आयुर्वेद औषधालय को क्रमश: प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार दिया गया। सरगुजा संभाग के अंतर्गत बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के होम्योपैथी औषधालय वाड्रफनगर को प्रथम और इसी जिले के होम्योपैथी औषधालय पेंड्री को द्वितीय तथा जशपुर जिले के आयुर्वेद औषधालय बंदरचुआ को तृतीय पुरस्कार मिला। बस्तर संभाग में कोंडागांव जिले के आयुर्वेद औषधालय बोरगांव को प्रथम, कांकेर जिले के आयुर्वेद औषधालय तरहुल को द्वितीय और इसी जिले के आयुर्वेद औषधालय दबेना को तृतीय पुरस्कार दिया गया। दुर्ग संभाग के तहत राजनांदगांव जिले के आयुर्वेद औषधालय पदुमतरा को प्रथम, राजनांदगांव के ही आयुर्वेद औषधालय विचारपुर को द्वितीय तथा कबीरधाम के आयुर्वेद औषधालय सिंघनगढ़ को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। आयुष केंद्र एवं स्पेशलिटी क्लीनिक श्रेणी में बिलासपुर, सरगुजा और बस्तर संभाग के दो-दो आयुष संस्थाओं को पुरस्कृत किया गया। इस श्रेणी में प्रथम पुरस्कार के रूप में 75 हजार रूपए और द्वितीय पुरस्कार के तौर पर 50 हजार रूपए की राशि दी गई। बिलासपुर संभाग के रायगढ़ जिले के आयुष केन्द्र कनकबीरा को प्रथम और कोरबा के आयुष स्पेशलिटी क्लीनिक लेमरू को द्वितीय पुरस्कार से नवाजा गया। सरगुजा संभाग के अंतर्गत सूरजपुर के आयुष स्पेशलिटी क्लीनिक बसदेई को प्रथम एवं जशपुर के आयुष केन्द्र भेंलवां को द्वितीय पुरस्कार दिया गया। बस्तर संभाग के तहत कांकेर जिले के आयुष केन्द्र कोटतरा को प्रथम और कोंडागांव के आयुष केन्द्र अनतपुर को द्वितीय पुरस्कार प्रदान किया गया।

भाजपा विधानसभा चुनाव हारने के बहाने अभी से खोज रही - कांग्रेस

श्रीकंचपनथ न्यूज

रायपुर। भाजपा मतदाता सूची संशोधन प्रक्रिया में तथा कथित गडबड़ी के नाम पर नये और युवा मतदाताओं के नाम को जोड़ने का विरोध कर रही है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि हर राजनैतिक दल चाहता है कि ज्यादा से ज्यादा नये मतदाओं का नाम मतदाता सूची में जोड़वाया जाये। लेकिन चुनाव के तीन महिनें पहले ही मतदाताओं के नाम जोड़ने की प्रक्रिया का विरोध करना भाजपा ने शुरू कर दिया है। यह भाजपा की राज्य में खस्ता हाल को प्रदर्शित करता है। भाजपा के कार्यकर्ता हताश और निराश है वे चुनाव प्रक्रियायें पार्टी की मद्द नहीं कर रहे है।

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि भाजपा को मालूम है पूरे देश में युवा भाजपा के खिलाफ है अत: भाजपा साजिश में लगी है कि युवाओं के नाम कम जुड़े या जिनके नाम जुड़ गये है उनको कटवाया जाये यह कारण है कि भाजपा के सांसद, पूर्व मंत्री जैसे वरिष्ठ नेता मतदाता सूची में नाम जोड़े जाने का विरोध कर रहे है। हर चुनाव के पहले मतदाता सूची का पुर्नरीक्षण का काम होता है। मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन किया जाता है ,जिसमे दावा आपत्ति मंगवाया जाता है। इसके बाद मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन होता है। भाजपा ने उसके पहले ही हल्ला मचाना शुरू कर दिया है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि भाजपा को इस बात का अहसास हो गया है आने वाले चुनाव में उसका हारना तय है इसलिए भाजपा अपने वरिष्ठ नेताओं के माध्यम से मतदाता सूची में गड़बड़ी की प्रेस कांफ्रेंस करवा कर अपने हार के बहाने तलाशना शुरू कर चुकी है। चुनाव के पहले प्रक्रिया में गड़बड़ी वहीं मचाता है जिस दल को अपनी सफलता और अपनी क्षमता में संदेह होता है भाजपा छत्तीसगढ़ में वहीं कर रही है।

धनवंतरी जेनेरिक मेडिकल स्टोर पर सस्ती दर पर दवाई उपलब्ध होने से नागरिकों को मिल रही बड़ी राहत

श्रीकंचपनथ न्यूज

रायपुर। मुख्य सचिव अमिताभ जैन की अध्यक्षता में आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में राज्य प्रवर्तित धनवंतरी जेनेरिक मेडिकल स्टोर योजना के अंतर्गत गठित राज्य स्तरीय मॉनिटरिंग समिति की बैठक सम्पन्न हुई। मुख्य सचिव ने राज्य के विभिन्न जिलों के नगरीय निकाय क्षेत्रों में संचालित की जा रही करीब 197 जेनेरिक मेडिकल स्टोर्स में नागरिकों को सस्ती दर पर उच्च गुणवत्ता की जेनेरिक दवाएं उपलब्ध कराने के संबंध में नगरीय प्रशासन विभाग के अधिकारियों से जिलेवार विस्तार से जानकारी ली।

उन्होंने जिले के कलेक्टरों से समय-समय पर धनवंतरी मेडिकल स्टोर के निरीक्षण कर दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने कहा है। मुख्य सचिव ने नगरीय प्रशासन विभाग के अधिकारियों से कहा है कि राज्य शासन की नागरिकों को अच्छी गुणवत्ता की जेनेरिक दवाएं सस्ती दर पर धनवंतरी जेनेरिक मेडिकल स्टोर योजना से उपलब्ध करायी जा रही है। यह महत्वपूर्ण योजना है। उन्होंने नगरीय प्रशासन विभाग के अधिकारियों को जेनेरिक मेडिकल स्टोर्स की लगातार मॉनिटरिंग करने के भी निर्देश दिए है।

अब तक करीब 129 करोड़ रूपए से ज्यादा की हुई बचत

राज्य प्रवर्तित श्री धनवंतरी जेनेरिक मेडिकल स्टोर योजना की राज्य स्तरीय मॉनिटरिंग समिति की बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़े राज्य शहरी विकास अभिकरण के सीईओ श्री सौमिल रंजन चौबे ने प्रस्तुतीकरण के जरिए बताया कि प्रदेश के नागरिकों के ईलाज हेतु आसानी से जेनेरिक दवाएं सस्ते दर पर उपलब्ध हो इसके लिए राज्य शासन द्वारा प्रदेश के सभी नगरीय क्षेत्रों में श्री धनवंतरी जेनेरिक मेडिकल स्टोर खोले गए हैं।

इन मेडिकल स्टोरों पर करीब 329 जेनेरिक मेडिसन और 26 सर्जिकल आइटम सस्ती दरों पर उपलब्ध हैं। मेडिकल स्टोरों पर एमआरपी पर से करीब 50 से 72 प्रतिशत डिसकाउंट पर दवाएं उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि धन्वंतरी दवा दुकानों में सर्दी, खांसी, बुखार, ब्लड प्रेशर, इन्सुलिन के साथ गंभीर बीमारियों की दवा, एंटीबायोटिक, सर्जिकल आईटम भी रियायती मूल्य पर जरूरतमंदों को उपलब्ध कराए जा रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि श्री धनवंतरी जेनेरिक मेडिकल स्टोर योजना 20 अक्टूबर 2021 से शुरू की गई है। योजना के तहत राज्य के समस्त 169 नगरीय निकायों में 197 श्री धनवंतरी मेडिकल स्टोर खोले गए। शासकीय चिकित्सकों को अस्पताल में इलाज हेतु आने वाले मरीजों को जेनेरिक दवाई लिखना अनिवार्य किया गया है। योजना से अब तक 212 करोड़ रूपए एम.आर.पी. की दवाओं को 83 करोड़ 77 हजार रूपए में विक्रय किया गया। इससे करीब नागरिकों को 129 करोड़ रूपए से ज्यादा की बचत हुई है। गौरतलब है कि प्रदेश के विभिन्न नगरीय निकाय में संचालित धनवंतरी जेनेरिक मेडिकल की दुकानों से 73 लाख 92 हजार से अधिक नागरिकों ने सस्ती दवायें खरीदी है।

छत्तीसगढ़ का किसान देश में सबसे खुशहाल-बैज

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भाजपा द्वारा किसानों के हित में घड़ियाली आंसू बहाने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुये प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने कहा कि छत्तीसगढ़ का किसान देश में सबसे ज्यादा खुशहाल है। छत्तीसगढ़ का किसान अपनी फसल की सबसे ज्यादा कीमत छत्तीसगढ़ में पाता है। छत्तीसगढ़ की कांग्रेस की सरकार देश में अकेली ऐसी सरकार है जो किसानों के धान को 2500 में खरीदने की गारंटी देती है और इस वर्ष तो 2640 रू. में किसानों का धान खरीदा गया।

मोदी सरकार के द्वारा किसानों को धान के समर्थन मूल्य से अतिरिक्त भुगतान पर रोक लगाने के बाद भाजपा की किसान विरोधी चरित्र के काट के रूप में भूपेश बघेल सरकार ने राजीव गांधी किसान न्याय योजना लागू कर किसानों को 9000 और 10000 रू. प्रति एकड़ इनपुट सब्सिडी देना शुरू किया है। पिछले पांच साल में धान खरीदी, राजीव गांधी किसान न्याय योजना, कर्जमाफी के माध्यम से भूपेश सरकार ने किसानों के खाते में 1 लाख 70 हजार करोड़ रू. सीधे किसानों के खाते में डाला। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने कहा कि भाजपा आदतन किसान विरोधी है। छत्तीसगढ़ में भाजपा ने हर चुनाव में किसानों को बोनस के नाम पर धोखा दिया। 2100 में धान खरीदी का वायदा कर किसानों का वोट लिया लेकिन वायदा नहीं निभाया। रमन राज के दौरान 1 जनवरी 2004 से 1 जनवरी 2019 अर्थात भाजपा के शासनकाल के 15 साल में 12937 किसानों ने आत्महत्या किया था। मोदी सरकार ने वायदा किया था 2023 तक किसानों की आय दुगुनी करने का लेकिन नहीं किया। आज खेती की लागत मूल्य बढ़ गयी लेकिन मोदी सरकार कृषि उपज के समर्थन मूल्य में बढ़ोतरी नहीं करती है। डीजल, बिजली के दाम बढ़ गये किसानी मोदी राज में घाटे का सौदा हो गया है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने कहा कि पौने पांच साल में कांग्रेस सरकार ने धान खरीदी के 8259.4 करोड़ रू. का नुकसान उठाया था। वर्ष 2018-19 में 1501.87 करोड़ रू. का हानि, 2019-20 में 1056.93 करोड़ रू. की हानि, 2020-21 में 2010.41 करोड़ का हानि, 2021-22 में 2083.27 करोड़ रू. का हानि, 2022-23 में 1606.92 करोड़ रू. की हानि उठाया था। यही नहीं 2020-21 में कांग्रेस सरकार ने 2500 में धान खरीदकर 1100 से 1200 में खुले बाजार में बेच कर नुकसान उठाया था। घोषित समर्थन मूल्य से अतिरिक्त देने के कारण भूपेश सरकार ने 4 साल में किसानों पर लगभग 25000 करोड़ राजीव गांधी किसान न्याय योजना में दिया है। अभी तक कांग्रेस सरकार ने धान खरीदी पर 33 हजार करोड़ से अधिक अतिरिक्त खर्च किया है। यह भूपेश सरकार की किसानों को उनके ऊपज की पूरी कीमत देने की प्रतिबद्धता है।

ॐ साई राम
माँ पुस्तक भंडार

होलसेल में कापी-किताब एवं स्टेशनरी सामान मिलने का एक मात्र स्थान
पुरानी एवं नई पुस्तकें खरीदी व बेची जाती है
रावणभाटा, सुपेला, भिलाई (छ.ग.)
मो. 7489051024, 7770845578

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

CONTACT
Premier sales 8959493000
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

प्रयास विद्यालयों में प्रवेश की प्रक्रिया पारदर्शी

रायपुर। प्रदेश में प्रयास आवासीय विद्यालयों में वर्ष 2023-24 में प्रवेश परीक्षा का परिणाम घोषित किया गया है। आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग को ऐसी सूचना प्राप्त हो रही है कि विद्यार्थियों का मोबाइल नंबर लेकर उनके अभिभावकों को फोन करके उनके बच्चों को प्रयास विद्यालयों में प्रवेश कराने के लिए राशि की मांग करते हुए, यह झासा दिया जा रहा है कि उनके बच्चों का सुनिश्चित प्रवेश करा दिया जाएगा।

आयुक्त आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग शम्मी आबिदी ने इस संबंध में सभी पालकों को सूचित किया है कि ऐसी किसी भी फोन पर दी जा रही गलत सूचना पर ध्यान न दें, ना ही इनके झासे में आकर राशि दे। ऐसे धोखाधड़ी करने वालों पर निकटस्थ थाने में एफआईआर दर्ज कराएं।

आयुक्त शम्मी आबिदी ने बताया कि विभाग द्वारा प्रवेश की प्रक्रिया के लिए पारदर्शी एवं स्वच्छ प्रक्रिया अपनाई गई है। किसी को कोई भी आशंका होने पर विभाग के दूरभाष क्रमांक 0771-2263708 पर संपर्क कर सकते हैं।

संस्कृत सप्ताह के कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के संदेश का होगा वाचन

रायपुर। श्रावण पूर्णिमा रक्षाबंधन के तीन दिनों पूर्व एवं तीन दिनों पश्चात चलने वाला संस्कृत सप्ताह 27 अगस्त से प्रारंभ हो रहा है। रक्षाबंधन के दिन संस्कृत सप्ताह मनाया जाता है। छत्तीसगढ़ संस्कृत विद्यामंडलम् द्वारा प्रदेश के विद्यालयों, संस्कृत विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में संस्कृत सप्ताह आयोजन के लिए कार्यक्रम की रूपरेखा प्रेषित कर दी गई है। संस्कृत सप्ताह के पावन अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के संदेश का वाचन किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ संस्कृत विद्यामंडलम् के अध्यक्ष डॉ. सुरेश कुमार शर्मा 27 अगस्त को दुर्ग जिले के विकासखण्ड पाटन के एम. गुरूकुलम् संस्कृत विद्यापीठ आश्रम पहडोर पचपेढ़ी में दीप प्रज्जवलित कर संस्कृत सप्ताह का शुभारंभ करेंगे। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ संस्कृत विद्यामंडलम् के सदस्य डॉ. तोयनिधि वैष्णव, सचिव अलका दानी एवं सहायक संचालक लक्ष्मण प्रसाद साहू भी उपस्थित रहेंगे।

जनजाति बाहुल्य क्षेत्रों में लगेंगे विशेष स्वास्थ्य शिविर

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य के जनजाति बाहुल्य क्षेत्रों में स्क्रीनिंग एवं विशेष स्वास्थ्य शिविर आयोजन के लिए विशेष स्वास्थ्य शिविर लगाए जाएंगे। शिविर आयोजन के संबंध में संचालनालय आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान सेक्टर-24 पुरखौती मुक्तांगन के समीप नवा रायपुर अटल नगर में 28 अगस्त को प्रातः 10.30 बजे से उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया है। इस कार्यशाला में संबंधित जिलों के स्वास्थ्य विभाग के जिला एवं विकासखण्ड स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहेंगे।

छत्तीसगढ़ राज्य के कमार एवं बैगा विशेष पिछड़ी जनजातियों की महिलाओं में होने वाले कैंसर (गर्भाशय ग्रीवा, स्तन, मुंह का कैंसर) एवं मासिक धर्म संबंधी समस्याओं, अन्य स्त्री रोग तथा कोयला उत्पादक क्षेत्रों में निवासरत आदिवासी जनसंख्या में स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की आवृत्ति एवं उनकी पहचान किए जाने के संबंध में स्क्रीनिंग तथा स्वास्थ्य जांच चिकित्सकीय अमलों द्वारा की जाएगी।

डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम राज्य योजना आयोग के अध्यक्ष नियुक्त

रायपुर। राज्य शासन द्वारा मुख्यमंत्री के स्थान पर विधायक डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम को राज्य योजना आयोग छत्तीसगढ़ का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। शासन द्वारा इस संबंध में मंत्रालय से आदेश जारी कर दिया है।

योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग द्वारा जारी आदेश में उल्लेखित किया गया है कि "मुख्यमंत्री अथवा उनके द्वारा नामांकित व्यक्ति" को राज्य योजना आयोग, छत्तीसगढ़ का "अध्यक्ष" नियुक्त करने का प्रावधान किया गया है। यह आदेश इसी तारतम्य में जारी किया गया है।

स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी निर्वाचन हेतु समस्त आवश्यक तैयारियां करें सुनिश्चितः भारत निर्वाचन आयोग

आगामी विधानसभा निर्वाचन में मतदाता प्रलोभन पर करें कड़ी कार्यवाही- मुख्य निर्वाचन आयुक्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारत निर्वाचन आयोग के मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार ने एनफोर्समेट एजेंसियों की बैठक में आगामी विधानसभा निर्वाचन की तैयारियों की समीक्षा की तथा एनफोर्समेंट एजेंसियों के अधिकारियों को आवश्यक दिशानिर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी निर्वाचन हेतु समस्त आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा निर्वाचन में मतदाता प्रलोभन पर कड़ी कार्यवाही सुनिश्चित करें। उन्होंने भारत निर्वाचन आयोग के समस्त दिशानिर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश सभी अधिकारियों को दिए।

भारत निर्वाचन आयोग के निर्वाचन आयुक्त अनूप चंद्र पांडेय, निर्वाचन आयुक्त अरूण गोयल, भारत निर्वाचन आयोग के उप निर्वाचन आयुक्त हृदेश कुमार, वरिष्ठ उप निर्वाचन आयुक्त धर्मेन्द्र शर्मा और नितेश व्यास, उप निर्वाचन आयुक्त मनोज कुमार साहू और आर.के. गुप्ता, उप निर्वाचन आयुक्त अजय भादू, महानिदेशक बी नारायणन, निदेशक यशवेंद्र सिंह, निदेशक (आई टी) अशोक कुमार, वरिष्ठ प्रधान सचिव एन.एन. बुटोलिया, प्रधान सचिव एसबी जोशी, संयुक्त निदेशक अनुज चांडक और अवर सचिव रितेश सिंह ने बैठक में विस्तार से विधानसभा निर्वाचन 2023 की तैयारियों की समीक्षा की बैठक में अंतर्विभागीय समन्वय स्थापित करते हुए स्वतंत्र एवं निष्पक्ष निर्वाचन में आने वाली बाधाओं को दूर करने तथा धनबल का दुरुपयोग न हो, यह पूर्णतः सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में पुलिस, आयकर, आबकारी, वन, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, डी आर आई, परिवहन विभाग, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो, रिजर्व बैंक, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण, सी जी एस टी, एस जी एस टी, डाक विभाग, उड्डयन विभाग, प्रवर्तन निदेशालय, भारतीय रेलवे, ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन अथारिटी सहित अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

इसके पश्चात मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रीना बाबासाहेब कंगाले ने बैठक में विधानसभा निर्वाचन 2023 की तैयारियों के संबंध में विस्तार से आयोग को अवगत कराया। साथ ही नोडल अधिकारी पुलिस ओ पी पाल ने विधानसभा निर्वाचन 2023 के दौरान सुरक्षा व्यवस्था की तैयारियों के संबंध में आयोग को अवगत कराया।

मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य योजना से नागरिकों को अपने घर के पास ही मिल रही है निःशुल्क ईलाज की सुविधा

अब तक करीब 55 लाख लोगों ने उठाया फायदा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्य सचिव अमिताभ जैन की अध्यक्षता में मंत्रालय महानदी भवन में नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के अंतर्गत राज्य प्रवर्तित मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य योजना के लिए गठित राज्य स्तरीय मॉनिटरिंग समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में योजना के तहत राज्य के सभी नगरीय क्षेत्रों की स्लम बस्तियों में चिकित्सक, मेडिकल स्टाफ, मेडिकल उपकरण एवं जरूरी दवाओं की उपलब्धता के साथ मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से लोगों को घर के पास ही निःशुल्क ईलाज की सुविधा प्रदान करने की जिलेवार समीक्षा की गई। मुख्य सचिव ने नगरीय प्रशासन विभाग के अधिकारियों को मोबाइल मेडिकल यूनिट में ईलाज कराने वाले मरीजों को जरूरत पड़ने पर अन्य अस्पतालों में रिफर करने के संबंध में भी आवश्यक कार्यवाही करने कहा है। इस संबंध में उन्होंने नगरीय प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग में आवश्यक समन्वय की भी बात कही।

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के अधिकारियों ने बैठक में बताया कि शहरी क्षेत्र के स्लम एवं नगर के अन्य क्षेत्रों के जरूरतमंद लोगों को निःशुल्क उपचार की व्यवस्था की गई है। मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना के माध्यम से अब तक करीब 55 लाख जरूरतमंदों का इलाज मोबाइल मेडिकल यूनिट के चिकित्सा दल द्वारा स्लम बस्तियों में लोगों के घरों के पास ही पहुंचकर किया गया है। इस योजना के माध्यम से अब तक 14 लाख 87 हजार 651 मरीजों की पैथालॉजी टेस्ट की जा चुकी है। साथ ही 47 लाख 75 हजार 845 से अधिक मरीजों को निःशुल्क दवाएं भी दी गई हैं।

मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना के तहत राज्य के नगरीय निकायों की स्लम बस्तियों में 72 हजार 724 कैम्प लगाकर लोगों की निःशुल्क जांच व उपचार कर दवाईयां दी गई हैं। अधिकारियों ने बताया कि राज्य के नगरीय क्षेत्रों में 144 मेडिकल मोबाइल यूनिट वर्तमान में संचालित है। अधिकारियों ने बताया कि शीघ्र ही 6 और मेडिकल मोबाइल यूनिट संचालित किए जाएंगे। वीडियो कॉन्फ्रेंस से आयोजित इस बैठक में नगरीय प्रशासन विकास विभाग के विशेष सचिव डॉ. अयाज तम्बोली, शहरी विकास अभिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सौमिल रंजन चौबे सहित स्वास्थ्य एवं राज्य स्तरीय मॉनिटरिंग समिति के अन्य सदस्य शामिल हुए।

फूड टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में है रोजगार की बेहतर संभावनाएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारत के शिक्षा परिदृश्य में पिछले कुछ वर्षों में काफी बदलाव आया है। युवा विद्यार्थी आज ज्ञानोन्मुखी शैक्षणिक पाठ्यक्रमों के स्थान पर रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों को प्राथमिकता देने लगे हैं। देश में रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों का महत्व दिनों-दिन बढ़ता जा रहा है। खाद्य प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी भी एक ऐसा पाठ्यक्रम है जिसमें रोजगार-व्यवसाय की बेहतर संभावनाएं हैं। विगत कुछ वर्षो में खाद्य प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी से संबंधित उपक्रम एक बडे एवं विस्तृत रूप में सामने आये हैं। सर्वेक्षण के द्वारा यह मालूम किया गया है कि प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि होने से एवं बदलते समय के अनुसार व्यस्त जिन्दगी में शहरी लोगो की जीवन शैली में प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों की मांग में लगातार बढोतरी हो रही है। इस प्रकार की स्थिति से हमारा प्रदेश भी अछूता नहीं है।

छत्तीसगढ प्रदेश में विभिन्न फसलों, सब्जियों, फलों एवं लघु अनाज एवं वनोपज की प्रचुरता को देखते हुए इस प्रदेश में भी खाद्य प्रौद्योगिकी से संबंधित प्रसंस्करण की तकनीकों का उपयोग करते हुए अनेक प्रकार के डब्बा बंद, प्रसंस्कृत उत्पाद, इंस्टैन्ट/रेडी टू इट प्रकार के खाद्य व्यंजनों का निर्माण आसानी से किया जा सकता हैं। समय की कमी से लोग आज कल डब्बा बंद, प्रसंस्कृत उत्पाद, इंस्टैन्ट/रेडी टू इट प्रकार के खाद्य व्यंजनों को वरीयता दे रहें हैं। फसल और फल सब्जियों का उत्पादन लगातार बढता जा रहा हैं एवं उनकी खपत उस मौसम में न होने के कारण अधिकांश समय कृषकों को हानि की संभावना होती हैं। ऐसी स्थिति से बचने के लिये इन फसलों, फल, सब्जियों में खाद्य प्रौद्योगिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण की तकनीकों का उपयोग करके इनसे मूल्यवर्धित उत्पादों का निर्माण किया जा सकता है जिसे कि गैरमौसमी समयकाल में आसानी से उपयोग किया जा सकता है एवं ऐसा करने से कृषक समुदाय को आर्थिक लाभ आवश्यक रूप से प्राप्त होगा। इन फसलों से मूल्यवर्धित पदार्थ बनाने से प्रदेश के किसानो, युवाओं, महिला स्व सहायता समूहों को रोजगार प्राप्त करने में भी आसानी होगी। आशय यह है कि खाद्य प्रौद्योगिकी आधारित प्रसंस्करण के कार्य भविष्य के लिये अत्यंत उपयोगी हैं एवं इस क्षेत्र के बहुमुखी विकास हेतु मानव संसाधन का विकास करना अति आवश्यक है।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की बैठक और छत्तीसगढ़-मध्यप्रदेश के कृषि विज्ञान केन्द्रों की कार्यशाला में शामिल हुए कुलपति डॉ. चंदेल

छत्तीसगढ़ सरकार तथा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा संचालित योजनाओं एवं उपलब्धियों की जानकारी दी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल केन्द्रीय कृषि अभियांत्रिकी अनुसंधान केन्द्र, भोपाल में आयोजित मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ के कृषि विज्ञान केन्द्रों की क्षेत्रीय कार्यशाला में विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए कार्यशाला में डॉ. चंदेल ने छत्तीसगढ़ शासन द्वारा किसानों के हित में संचालित राजीव गांधी किसान न्याय योजना, छत्तीसगढ़ गोधन न्याय योजना, भूमि हीन कृषक योजना, के साथ-साथ राज्य सरकार द्वारा किसानों से विभिन्न फसलों के समर्थन मूल्य पर उपार्जन के बारे में जानकारी दी। उन्होंने इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित समस्त कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा किसानों के हित में चलाई जा रही योजनाओं तथा गतिविधियों के बारे में भी जानकारी दी।

डॉ. चंदेल इस अवसर पर आयोजित भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की 27वीं बैठक में भी शामिल हुए। इस बैठक की अध्यक्षता डॉ. हिमांशु पाठक, सचिव (डेयर) एवं महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा की गई। इस बैठक में छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र एवं गोवा के कृषि विश्वविद्यालय के कुलपतिगण, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के समस्त उप महानिदेशकगण एवं इन 04 राज्यों के भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के शिक्षा, अनुसंधान संस्थानों के निदेशकगण ने भाग लिए। इस बैठक में इन 04 राज्यों के कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन आदि क्षेत्रों में वहां की समस्याओं के बारे में कृषकों से विचार-विमर्श किया गया। इस बैठक में 04 राज्यों के कृषि विभाग, उद्यानिकी विभाग, पशुपालन विभाग एवं मत्स्य पालन विभाग के अधिकारियों से किसानों की समस्याओं का विवरण लिया गया ताकि कृषकों के समस्याओं के समाधान के लिए अनसुंधान प्रारंभ किया जा सके। इस बैठक में छत्तीसगढ़ की ओर से डॉ. गिरीश चंदेल, कुलपति, डॉ. विवेक कुमार त्रिपाठी, संचालक अनुसंधान सेवायें, डॉ. अजय वर्मा, निदेशक विस्तार सेवायें, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर, माथेश्वरन व्ही., संचालक उद्यानिकी एवं प्रक्षेत्र वानिकी विभाग एवं बिजनौरिया, उप संचालक कृषि, छत्तीसगढ़ शासन ने भाग लिए। इस बैठक में डॉ. चंदेल ने विश्वविद्यालय की शिक्षा, अनसुंधान एवं प्रसार की गतिविधियों का विवरण प्रस्तुत किया तथा राज्य की अनुसंधान की आवश्यकताओं पर प्रकाश डाला। डॉ. चंदेल ने होम साईंस, एनर्जीइन एग्रीकल्चर, प्लास्टीकल्चर इंजीनियरिंग, कपास, तिल एवं नाईजर, बायोफर्टीलाईजर, ठण्डी जलवायु के फल एवं कीटनाशक, अवशेष परीक्षण जैसे 12 अनुसंधान परियोजनाओं को छत्तीसगढ़ में स्वीकृत करने की मांग की। ये अनुसंधान परियोजनाएं छत्तीसगढ़ के विभिन्न अनुसंधान केन्द्रों में लागू की जाएगी। मूंगफली, उष्णकटीबंधीय फल, फूल, गन्ना, प्याज एवं बायोकन्ट्रोल की तदर्थ अनुसंधान परियोजना को नियमित करने एवं वैज्ञानिकों के पदों की स्वीकृति की मांग की। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर द्वारा प्रदेश के नव गठित जिलों सारंगढ़-बिलाईगढ़, मानपुर-मोहला-अम्बागढ़चौकी, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही, खैरागढ़-छुईखदान-गण्डई एवं शक्ति में कृषि विज्ञान केन्द्र के स्थापना हेतु प्रस्ताव भारत सरकार को भेजे गए हैं। इस बैठक में उपस्थित डॉ. हिमांशु पाठक, महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा नवीन कृषि विज्ञान केन्द्रों एवं नवीन अनुसंधान परियोजनाओं की स्वीकृति का आवश्वासन दिया गया।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026, 8962815243

ड्रैगन फ्रूट के हैं गजब के फायदे इन बीमारियों से रखता है दूर

फल और सब्जियां अच्छी सेहत का राज होता हैं। हम सेब, केला,आम, अमरूद जैसे फल खाते ही रहते हैं, लेकिन सभी फलों में सारे गुण नहीं मिलते हैं ऐसे में एक फल है जिसमें कई गुण पाएं जाते हैं जो सेहत के लिए काफी लाभकारी होता है। ड्रेगन फ्रूट खाने में जितना टेस्टी होता है उतनी ही शरीर के लिए फायदेमंद होता है। ड्रेगन फरूट की बाहरी परत लाल रंग की होती है और अंदर का गूदा सफेद या गुलाबी रंग का होता है। इसमें विटामिन, मिनरल्स, प्रोटीन, फाइबर, कैरोटीन, और अंटिओक्सिडेंट्स से भरपूर पोषण तत्व मौजूद होते हैं जो हमारे शरीर के विभिन्न कार्यों में सहायक होता है।

ड्रेगन फ्रूट के फायदे

- पौष्टिकता: ड्रेगन फ्रूट में विटामिन सी, आयरन, कैल्शियम, और फास्फोरस जैसे महत्वपूर्ण पोषक तत्व होते हैं।
- अंटिओक्सिडेंट प्रॉपर्टीज: यह फल अंटिओक्सिडेंट से भरपूर है जो शरीर में फ्री रेडिकल्स को नष्ट करते हैं।
- पाचन: ड्रेगन फ्रूट में डायटरी फाइबर होता है जो पाचन में मदद करता है और कब्ज से राहत दिलाता है।
- चर्बी कम करना: इसमें लो-कैलोरी और हाई-फाइबर होता है, जिससे यह वजन घटाने में मदद कर सकता है।
- ट्वाइप 2 मधुमेह: कुछ अध्ययनों में पाया गया है कि ड्रेगन फ्रूट मधुमेह के प्रभाव को नियंत्रित कर सकता है।
- ह्रदय के लिए लाभकारी: इसमें ओमेगा-3 और ओमेगा-9 फैटी एसिड्स होते हैं जो ह्रदय की सेहत के लिए अच्छे होते हैं।
- त्वचा के लिए लाभकारी: विटामिन सी और अंटिओक्सिडेंट्स की मौजूदगी से यह त्वचा को स्वस्थ रखता है और जल्दी बुढ़ापे के लक्षणों को दिखने से रोकता है।
- अनियमिया: इसमें से लोहा प्राप्त होता है, जो रक्त के निर्माण में महत्वपूर्ण होता है और अनियमिया को दूर करने में मदद करता है।
- प्रतिरोधात्मक प्रणाली: विटामिन सी की उचित मात्रा के कारण यह रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ता है।
- हड्डियां: इसमें कैल्शियम और फास्फोरस की मौजूदगी हड्डियों को मजबूती प्रदान करती है।

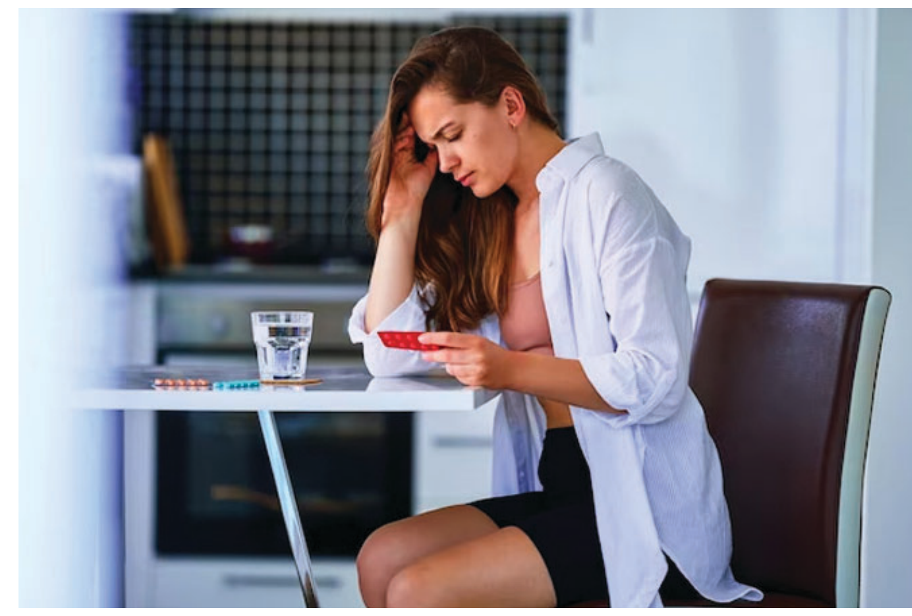

सिर दर्द होने पर क्या आप भी तुरंत खा लेते हैं दवा, ऐसा करना हो सकता है खतरनाक

अक्सर देखा गया है कि सिरदर्द होने पर लोग तुरंत जाकर ओवर द काउंटर दवाओं का सेवन कर लेते हैं। हल्का सा दर्द होने भी तुरंत पेनकिलर खा लेते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि सिरदर्द होते ही पेनकिलर खाना खतरनाक हो सकता है। इससे कई तरह के नुकसानदायक भी हो सकते हैं। सिरदर्द होने पर किसी तरह का पेनकिलर तुरंत खाने से आराम तो मिल सकता है लेकिन लंबे समय के लिए यह गंभीर समस्याएं भी पैदा कर सकता है। इसलिए कभी भी सिर में दर्द होने पर तुरंत दवा खाने से बचना चाहिए।

सिरदर्द होने पर तुरंत क्यों नहीं खानी चाहिए दवा

हेडेक से आराम पाने के लिए ज्यादातर लोग तुरंत पेनकिलर लेकर खा जाते हैं। ओवर द काउंटर दवाईयों का सेवन एक लिमिट में ही सुरक्षित होता है। बहुत ज्यादा या अक्सर ही पेनकिलर या कोई दवा खाने से गंभीर समस्याएं पैदा हो सकती हैं। बिना डॉक्टर की सलाह दवा खाकर खरीदने की आदत भी गंभीर नुकसान पहुंचा सकती है। इससे शरीर में कई तरह के साइड इफेक्ट्स हो सकते हैं।

सिरदर्द में तुरंत दवा खाने के नुकसान

- दवाओं के ओवरडोज से पेट नर्वस सिस्टम और शरीर की इम्यूनिटी को गंभीर नुकसान पहुंच सकता है।
- इसकी वजह से पेट से जुड़ी समस्याएं जैसे दर्द, सूजन और अपच हो सकता है।
- सिरदर्द में बहुत ज्यादा पेनकिलर खाने से लिवर और किडनी जैसे आंतरिक अंगों पर बुरा असर पड़ सकता है।
- दवा खाने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता भी खत्म हो सकती है।
- सिरदर्द में बहुत ज्यादा पेनकिलर खाना दिल से जुड़ी गंभीर बीमारियां पैदा कर सकता है। इससे हार्ट अटैक का खतरा भी हो सकता है।
- सिरदर्द होने पर अगर अक्सर पेनकिलर खाते हैं तो इसकी वजह से पेट का अल्सर भी हो सकता है।

कंटेंट के महत्व को अच्छे से समझता है ओटीटीः अदिति

दिल्ली 6, जुबली, भूमि, ताजः डिवाइडेड बाय ब्लड और कई अन्य फिल्मों में अपने काम के लिए जानी जाने वाली एक्ट्रेस अदिति राव हैदरी को लगता है कि ओटीटी कंटेंट के महत्व पर जोर देता है और कलाकारों को क्रिएटिव करने की आजादी देता है।

अदिति ने पीरियड ड्रामा ताजः डिवाइडेड बाय ब्लड में अनारकली के रूप में अपने परफॉर्मेंस से दिल जीता। एक्ट्रेस ने हाल ही में कतर, दुबई और अबू धाबी में अपने फैंस के साथ मुलाकात की।

आइकॉनिक किरदार निभाने के अपने एक्सपीरियंस साझा करते हुए अदिति ने कहा, ओटीटी के बारे में एक बात जो मुझे पसंद है, वह यह है कि यह राइटर्स, एक्टर्स और डायरेक्टर्स के लिए ज्यादा क्रिएटिविटी प्रदान करता है। यह कंटेंट के महत्व को समझता है। यही कारण है, मैंने ताजः डिवाइडेड बाय ब्लड पर काम करने का फैसला किया। अनारकली की भूमिका के लिए प्रसिद्ध एक्ट्रेस मधुबाला से तुलना की जाने वाली स्टार ने यह भी उल्लेख किया कि इसके लिए साइन अप करते समय उन्हें पता था कि ये बड़ी जिम्मेदारियां हैं।

एक्ट्रेस के पास वर्तमान में जी5 ग्लोबल पर टाइटल्स की एक रोमांचक लाइब्रेरी है, जिसमें रोमांस ड्रामा दास देव, मलयालम थ्रिलर साइको और रणबीर कपूर-स्टारर ट्रैजेडी रोमांस रॉकस्टार जैसी फिल्में शामिल हैं।

डेब्यू से पहले ही शनाया कपूर ने चलाया हुस्न का जादू, ग्लैमरस अंदाज में आईं नजर

बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर संजय कपूर की लाडली शनाया कपूर ने भी पिता की तरह एक्टिंग में अपना करियर तलाश लिया है। काफी समय से शनाया के डेब्यू को लेकर खबरें आ रही हैं। उनकी फिल्मों के नाम तक ऐलान हो चुके हैं। दूसरी ओर शनाया का ऐसा जलवा इन दिनों देखने को मिल रहा है कि सोशल मीडिया पर उनके फॉलोअर्स की लिस्ट लगातार बढ़ती जा रही है। शनाया ने अपने स्टाइलिश और ग्लैमर का जादू अभी से चला दिया है।

शनाया इंस्टाग्राम पर काफी एक्टिव रहने लगी हैं। लगभग हर दिन उनका एक नया और स्टाइलिश फोटोशूट सामने आ जाता है। अब फिर से उन्होंने अदाएं दिखाते हुए कई फोटोज शेयर की हैं। लेटेस्ट लुक में शनाया शॉर्ट व्हाइट स्कर्ट और मैचिंग का क्रॉप टॉप पहने हुए नजर आ रही हैं। इस को-ओर्ड सेट को उन्होंने काफी स्टाइलिश अंदाज में कैरी किया है। शनाया ने यहां मिनिमल मेकअप रखा है। उन्होंने सटल बेस के साथ न्यूड ग्लॉसी लिप्स और स्मोकी आईज मेकअप किया है। इसके साथ उन्होंने मैसी हाई पोनीटेल बनाई है। वहीं, उनके चेहरे पर बिखरी जुल्फें उन्हें और अट्रैक्टिव बना रही हैं। शनाया ने अपने इस लुक को कैमरे के सामने फ्लॉन्ट करते हुए कई पोज दिए हैं।

दूसरी ओर शनाया के वर्क फ्रंट की बात करें तो जल्द ही उन्हें जल्द ही सुपरस्टार मोहनलाल के साथ पैन इंडिया फिल्म वृषभा में देखा जाने वाला है और इसी फिल्म से शनाया अपने एक्टिंग का जौहर दुनिया के सामने पेश करने जा रही हैं। इससे पहले करण जौहर ने शनाया को बेधड़क में लॉन्च करने का ऐलान किया था, लेकिन अब कहा जा रहा है कि यह फिल्म डिब्बा बंद हो गई है।

रवीना टंडन जल्द शुरू करेंगी वेलकम टू द जंगल की शूटिंग, अक्षय कुमार संग बनी जोड़ी

फिरोज नाडियाडवाला की फिल्म वेलकम की तीसरी किस्त वेलकम टू द जंगल इन दिनों सुर्खियों में है। फिल्म की स्टारकास्ट को लेकर तरह-तरह की खबरें आती रहती हैं। ऐसी चर्चा है कि रवीना टंडन फिल्म वेलकम टू द जंगल का हिस्सा बन गई हैं और वह 19 साल बाद अक्षय कुमार के साथ अभिनय करती नजर आएंगी।ताजा रिपोर्ट्स के मुताबिक, अक्षय और रवीना वेलकम टू द जंगल की शूटिंग अक्टूबर के पहले सप्ताह में शुरू करने वाले हैं।

एक सूत्र ने बताया, रवीना वेलकम की तीसरी किस्त का हिस्सा बन चुकी है और उनकी जोड़ी अक्षय कुमार के साथ बनेगी। रवीना और निर्देशक अहमद खान के बीच चर्चा 2019 की शुरुआत में शुरू हुई थी जब वह डांस रियलिटी शो नच बलिए 9 की शूटिंग कर रहे थे। उन्होंने आगे कहा, शूटिंग अक्टूबर के पहले हफ्ते में मुंबई में शुरू होने की संभावना है। बाद का कार्यक्रम विदेशों सहित अन्य जगहों पर हो सकता है। अनिल कपूर और नाना पाटेकर की 2007 में आई फिल्म वेलकम को दर्शकों ने काफी पसंद किया था। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर भी शानदार प्रदर्शन करने में सफल रही थी, जिसके बाद 2015 में इसका सीक्वल वेलकम बैक आया था। अब इस फ्रेंचाइजी की तीसरी किस्त वेलकम 3 को लेकर चर्चा चल रही है।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता

बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

राष्ट्रीय किक बॉक्सिंग चैम्पियनशीप में जिले के खिलाड़ियों ने लहराया परचम

बिलासपुर। नेशनल किक बॉक्सिंग चैम्पियनशीप में जिले के खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए जिले और प्रदेश को गौरान्वित किया है। कोलकाता में आयोजित नेशनल चैम्पियनशीप में छत्तीसगढ़ की 50 सदस्यों की टीम ने भाग लिया था, जिसमें जिले के किक बॉक्सरों ने 5 स्वर्ण पदक के साथ 2 रजत पदक भी हासिल किया। इन खिलाड़ियों ने आज कलेक्टर संजीव कुमार झा से सौजन्य मुलाकात की। कलेक्टर ने जिला कार्यालय में सभी खिलाड़ियों को सम्मानित कर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी। एमेच्योर किक बॉक्सिंग एसोसिएशन ऑफ छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष श्री दीपक प्रसाद ने बताया की यह प्रतियोगिता 18 से 21 अगस्त तक खुदीराम बोस इंडोर स्टेडियम कोलकाता में आयोजित हुई। जिसमें 21 राज्य से लगभग 650 खिलाड़ी सहित 60 ऑफिशिअल ने इस नेशनल किक बॉक्सिंग चौंपियनशिप में भाग लिया। इन खिलाड़ियों में मुंगेली से अभिषेक तिवारी ने स्वर्ण पदक तथा करगी रोड कोटा के खिलाड़ी दिशा सिंह ने स्वर्ण पदक, अजय सिंह ठाकुर ने स्वर्ण पदक, डोमेन्द्र प्रताप ने स्वर्ण पदक एवं पंकज सिंह राजपूत ने स्वर्ण पदक एवं दिब्यांसु पोर्ते, निखिल पैकरा ने रजत पदक हासिल किया।

मतदाता जागरूकता कार्यक्रम - स्कूली बच्चों ने रैली निकाल कर मतदान करने को किया प्रेरित

महासमुंद। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी प्रभात मलिक के मार्गदर्शन तथा निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले में मतदाता सूची पुनरीक्षण का विशेष अभियान 02 अगस्त से 04 अक्टूबर तक चलाया जा रहा है। इसी तारतम्य में स्वीप कार्यक्रम के तहत विकासखंड बागबाहरा के ग्राम पंचायत बोकरामुड़ा कला में स्कूली बच्चों द्वारा मतदाता जागरूकता रैली निकालकर मतदाताओं को सभी निर्वाचन में मतदान करने हेतु जागरूक किया गया। स्कूली बच्चों ने रोचक स्लोगन के ज़रिए मतदाता सूची में छूटे हुए पात्र लोगों का नाम जुड़वाने नारे के माध्यम से कहा गया। साथ ही सभी बच्चों को अपने-अपने घरों में सभी 18 वर्ष आयु पूर्ण हो चुके युवक-युवतियों को मतदाता सूची में नाम जुड़वा कर मताधिकार का प्रयोग करने को कहा। मतदाता जागरुकता रैली में बड़ी संख्या में स्कूली बच्चों ने भाग लेकर लोगों को मतदान के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर बद्रिका ध्रुव स्वीप नोडल अधिकारी द्वारा संकुल बैठक में उपस्थित प्राचार्य, प्रधान पाठक, समन्वयक, शिक्षक एवं शिक्षिकाओं को शत प्रतिशत मतदान की शपथ दिलवा कर मतदान के लिए प्रेरित किया गया।

बोलेगा बचपन अभियान से निखर रही जिले के बच्चों की प्रतिभा

गरियाबंद। जिले के स्कूली बच्चों की छुपी हुई प्रतिभा को सामने लाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा बोलेगा बचपन अभियान का संचालन किया जा रहा है। इसके अंतर्गत विभिन्न विधाओं में कक्षा पहली से 12वीं तक के बच्चों के विशिष्ट प्रतिभा को आगे लाने के लिए विभिन्न गतिविधियों का क्रियान्वयन किया जा रहा है। बोलेगा बचपन अभियान के फ्लस्वरूप बच्चों की अद्भुत प्रतिभा सामने आ रही है। साथ ही बच्चों को आत्मविश्वास के साथ बेझिझक बोलने का अभ्यास भी हो रहा है। अभियान के तहत प्रतिदिन स्कूलों में प्रार्थना के समय बच्चों को कविता, आत्म परिचय, श्रुति लेखन, पुस्तक वाचन, भाषण, तात्कालिक निबंध, वाद विवाद विधा अंतर्गत बोलने का अभ्यास कराया जा रहा है। इसमें बच्चे उत्साह के साथ भाग ले रहे है। जिससे उनकी छुपी हुई प्रतिभा निखर रही है। अगस्त माह के पिछले तीन शनिवार को शाला, संकुल एवं विकासखंड स्तर पर उपरोक्त विधाओं में प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। तत्पश्चात आज गरियाबंद के स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल में जिला स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में पिछले चरणों में विजेता हुए बच्चे शामिल हुए। कलेक्टर आकाश छिकारा ने आज बोलेगा बचपन अभियान के जिला स्तरीय प्रतियोगिता में शामिल होकर विजेताओं को पुरस्कृत किया। साथ ही बोलेगा बचपन अभियान में सक्रियता के साथ भाग लेने के लिए सभी बच्चों का उत्साहवर्धन किया। इस दौरान अभियान के नोडल अधिकारी द्वय श्याम चंद्राकर, मनोज केला, सभी बीईओ, बीआरसीसी गण, प्रधान पाठक एवं स्कूली बच्चे मौजूद रहे।

वनांचल के 1503 नालों में 06 लाख हेक्टेयर से अधिक भूमि होगी उपचारित

300 करोड़ रूपए से 29 लाख से अधिक संरचनाओं का निर्माण जारी

श्रीकंचपनथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य प्रतिकरात्मक वनरोपण, निधि प्रबंधन एवं योजना प्राधिकरण (कैम्पा) मद की वार्षिक कार्ययोजना 2022-23 के अंतर्गत 'नरवा विकास' कार्यक्रम में राज्य के वनांचल स्थित 01 हजार 503 छोटे-बड़े नालों में 29 लाख से अधिक भू-जल संवर्धन संबंधी संरचनाओं का निर्माण जारी है। इसके निर्माण के लिए 300 करोड़ 52 लाख रूपए की राशि स्वीकृत है। इससे 6.26 लाख हेक्टेयर भूमि के उपचार का लाभ मिलेगा।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की विशेष पहल और वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री मोहम्मद अकबर के मार्गदर्शन में राज्य के वन क्षेत्रों में भू-जल संरक्षण तथा संवर्धन के लिए बड़े तादाद में जल स्त्रोतों, नदी-नालों और तालाबों को पुनर्जीवित करने का कार्य लिया गया है। वन मंत्री श्री अकबर ने बताया कि इसके तहत प्रदेश के अंतर्गत 02 राष्ट्रीय उद्यान, 03 टाईगर रिजर्व तथा 01 एलीफेंट रिजर्व सहित 24 जिलों के 32 वन मंडलों के नालों में भू-जल संवर्धन संबंधी संरचनाओं का निर्माण होगा। छत्तीसगढ़ राज्य प्रतिकरात्मक वनरोपण, निधि प्रबंधन एवं योजना प्राधिकरण (कैम्पा) मद से बनने वाली इन जल संग्रहण संरचनाओं से वनांचल में रहने वाले लोगों और वन्य प्राणियों के लिए पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित होगी। साथ ही नाले में पानी का भराव रहने से आस-पास की भूमि में नमी बनी रहेगी। इससे खेती-किसानी में सुविधा के साथ-साथ आय के स्त्रोत और हरियाली में भी वृद्धि होगी।

इस संबंध में प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख व्ही. श्रीनिवास राव ने बताया कि नरवा विकास कार्यक्रम के तहत कैम्पा की वार्षिक कार्ययोजना 2022-23 के अंतर्गत गुरू घासीदास राष्ट्रीय उद्यान के 50 नालों में 10 करोड़ की राशि से 97 हजार 333, इन्द्रावती टायगर रिजर्व के अंतर्गत 64 नालों में 13 करोड़ की राशि से 01 लाख 24 हजार तथा कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान के 6 नालों में 1.20 करोड़ की राशि से 11 हजार 621 संरचानाओं का निर्माण प्रगति पर है।

इसी तरह एलिफेंट रिजर्व तोमर पिंगला के 57 नालों में 11.49 करोड़ की राशि से 01 लाख 11 हजार, अचानकमार टायगर रिजर्व के 46 नालों में 9.03 करोड़ की राशि से 90 हजार 166तथा गोमर्डा अभ्यारण्य के 23 नालों में 4.57 करोड़ रूपए की राशि से 46 हजार संरचानाओं का निर्माण किया जा रहा है। उदंती सीतानदी टायगर रिजर्व के 8 नालों में 1.70 करोड़ रूपए से 16 हजार 464, बारनावापारा अभ्यारण्य के 15 नालों में 03 करोड़ रूपए से 29 हजार और कवर्धा-भोरमदेव अभ्यारण के 12 नालों में 2.50 करोड़ रूपए की राशि से 24 हजार 212 भू-जल संबंधी संरचानाओं का निर्माण प्रगति पर है।

इसी तरह वन मंडलवार खैरागढ़ के 34, बालोद के 07 राजनांदगांव के 24, कवर्धा के 48 तथा बिलासपुर के 40 नालों में सरंचानाओं का निर्माण होगा। इसके अलावा वनमंडलवार मरवाही के 86 नालों, कोरबा के 27 नालों, कटघोरा के 30 नालों, रायगढ़ के 18 नालों, धरमजयगढ़ के 22 नालों, जांजगीर-चांपा के 14 और मुंगेली के 22 नालों में संरचनाओं का निर्माण किया जा रहा है। गरियाबंद के 67 नालों, बलौदाबाजार के 06 नालों, धमतरी के 44 नालों, महासमुंद के 40 नालों में संरचानाओं का निर्माण जारी है। इसके अलावा कांकेर के 49 नालों, पूर्व भानुप्रतापपुर के 29 नालों, पश्चिम भानुप्रतापपुर के 37 नालों, केशकाल के 35 नालों, दक्षिण कोण्डागांव के 59 नालों, नारायणपुर के 43 नालों, सुकमा के 32 नालों बस्तर के 56 नालों, बीजापुर के 37 नालों, दंतेवाड़ा के 25 नालों में संरचनाओं का निर्माण होगा। इसी तरह जशपुर के 23 नालों, सरगुजा के 32 नालों, सूरजपुर के 33, बलरामपुर के 51 नालों, कोरिया के 87 नालों तथा मनेन्द्रगढ़ के 48 नालों में संरचानाओं का निर्माण किया जा रहा है।

कुपोषण एवं कुपोषित बच्चों के प्रतिशत में निरंतर कमी

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिले में कुल 1505 आंगनबाड़ी केन्द्र संचालित है जिनमें दर्ज हितग्राहियों को शासन के निर्देशानुसार विभिन्न विभागीय योजनाओं से लाभांवित किया जा रहा है। जिला कार्यक्रम अधिकारी विपिन जैन ने बताया कि वजन त्यौहार 2022 (माह अगस्त 2022) के अनुसार दुर्ग जिले में 0 से 06 वर्ष के बच्चों में कुपोषण का प्रतिशत 12.10 प्रतिशत है। जिले में आंगनबाड़ी केन्द्रों में दर्ज 0 से 06 वर्ष के बच्चों को शासन के निर्देशानुसार पूरक पोषण आहार कार्यक्रम के तहत रेडी टू ईट फूड, नाश्ता एवं गर्म भोजन का प्रदाय नियमित रूप से किया जा रहा है।

इसके तहत 03 से 06 वर्ष के बच्चों को प्रतिदिन आंगनबाड़ी केन्द्रों में शासन द्वारा वर्तमान में निर्धारित मेन्यू (02 छोटी रोटी, चांवल, दाल, सब्जी) के अनुरूप स्थानीय महिला स्व सहायता समूहों के माध्यम से प्रदत्त भोजन सामग्रियों से गर्म भोजन प्रदान किया जाता है (इसमें आचार, पापड़, सलाद, चटनी, दूध आदि का प्रावधान नहीं है)। वर्तमान में दुर्ग जिले में 03 से 06 वर्ष के 44635 बच्चे दर्ज हैं। जिनमें से आंगनबाड़ी केन्द्रों में नियमित रूप से उपस्थित होने वाले बच्चों को गर्म भोजन से लाभांवित किया जा रहा है। शासन के निर्देशानुसार जिले में 08 रु. प्रति बच्चा प्रतिदिन के मान से बच्चों को गर्म भोजन प्रदान किया जाता है। विगत वित्तीय वर्ष तक जिला स्तर पर उपलब्ध कराई गई स्थानीय निधि से चयनित कुपोषित बच्चों को अतिरिक्त पौष्टिक आहार के रूप में मोरेंगाबार, फ्ल एवं दूध आदि प्रदान किया जाता था। वर्तमान में कुपोषित बच्चों को शासन द्वारा प्रदत्त निर्देशानुसार सामान्य बच्चों की तुलना में अधिक मात्रा में रेडी टू ईट फूड प्रदाय कर उन्हें अतिरिक्त प्रोटीन प्रदान किया जा रहा है। जिले के आंगनबाड़ी केन्द्रों में छत्तीसगढ़ राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम के माध्यम से रेडी टू ईट फूड एवं आटा नियमित रूप से प्रदान किया जा रहा है। 03 से 06 वर्ष के बच्चों को गर्म भोजन प्रदान करने हेतु राज्य शासन द्वारा 25 ग्राम की रोटी देने के निर्देश हैं। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व सहायिका के द्वारा बड़ी रोटी बनाने की स्थिति में बच्चों को निर्धारित मात्रा के अनुरूप रोटी तोड़कर भी दी जाती है।

किसी आंगनबाड़ी केन्द्र में मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान के तहत चयनित कुपोषित बच्चों को ही अन्य सामान्य बच्चों की तुलना में अतिरिक्त पौष्टिक आहार दिया जाता है। उल्लेखनीय है कि जिले में कुपोषित बच्चों को विभागीय पूरक पोषण आहार के साथ-साथ मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान एवं पोषण पुर्नवास केन्द्रों के माध्यम से लाभांवित किया जा रहा है।

रीपा से जय प्रकाश को सफल उद्यमी बनने की राह मिली

श्रीकंचपनथ न्यूज

रायपुर। सामान्य कृषक परिवार से आने वाले जय प्रकाश पटेल आज एक सफ्ल उद्यमी बनने की ओर अग्रसर हैं। रायगढ़ जिले के ग्राम पंचायत डोंगीतराई के रहने वाले पटेल प्रतिदिन 400-500 किलो मिलेट्स जैसे कोदो, बाजरा, रागी आदि प्रोसेस एवं पैक करके बाजार में विक्रय कर रहे हैं। साथ ही वे आसपास के अन्य किसानों को भी कोदो एवं अन्य मिलेट के उत्पादन हेतु प्रोत्साहित कर रहे है। श्री पटेल अब तक 7 लाख रूपये से अधिक की बिक्री कर लगभग 90 हजार रूपये तक का शुद्ध लाभ प्राप्त कर चुके है। जय प्रकाश पटेल की उद्यमी बनने की राह आसान की महात्मा गांधी ग्रामीण औद्योगिक पार्क (रीपा) ने। रीपा के तहत 25 लाख रूपये की लागत से मिलेट, अनाज प्रोसेसिंग एवं पैकेजिंग यूनिट स्थापित करने के लिए उन्हें बैंक द्वारा 10 लाख रुपये का ऋण पीएमईजीपी के अंतर्गत 5 लाख रूपए का ऋण एवं रीपा की ओर से 10 रूपए लाख रूपए की राशि दी गई है।

जय प्रकाश पटेल एक सामान्य कृषक परिवार से आते हैं। पिता के साथ बचपन से ही कृषि कार्य में हाथ बटाते हुए उन्होंने एमए तक अपनी पढ़ाई भी पूरी की। पढ़ाई पूरी करने के पश्चात उन्होंने फ्सल बाजार कंपनी मे सेल्स मेन की नौकरी की एवं कृषि उत्पादों को बेचने के गुर सीखे। उन्हें अपने सपनों की उड़ान रीपा योजना से जुडने के पश्चात मिली। रीपा योजना से जुड़कर अन्य युवा भी अपने सपने को पूर्ण करने में सफ्ल हो रहे हैं। छत्तीसगढ़ सरकार की महत्वाकांक्षी एवं जन कल्याणकारी योजना महात्मा गांधी ग्रामीण औद्योगिक पार्क (रीपा) ग्रामीण युवाओं के उद्यमी बनने के सपने को साकार करने का मौका दे रही है। यही कारण है कि आज रीपा योजना से ग्रामीण युवाओं एवं महिला समूहों के लिए रोजगार के अवसर खुल रहे हैं।

इंटरनेशनल कॉलोनी में सीवर लाइन की समस्या को खत्म करने निगम ने बनाया 2 करोड़ का प्लान

श्रीकंचपनथ न्यूज

रिसाली। पॉश कॉलोनी इंटरनेशनल तालपुरी की सबसे जटिल सीवर लाइन की समस्या को दूर करने नगर पालिक निगम रिसाली ने वृहद प्लान तैयार किया है। इसमें लगभग दो करोड़ रूपए खर्च की जाएगी। महापौर शशि सिन्हा की अध्यक्षता वाली परिषद ने इस प्लान पर मुहर लगा दी है। प्रस्ताव को स्वीकृति के लिए शासन को भेजा है।

तालपुरी इंटरनेशनल कॉलोनी में सबसे जटिल समस्या (एस.टी.पी.) सीवर लाइन है। यही वजह है कि नागरिक नारकीय जीवन जीने मजबूर है। लगातार शिकायत आने पर निगम आयुक्त आशीष देवांगन ने विशेष रूचि दिखाते हुए अभियंताओं से सीवरेज लाइन की समस्या को दूर करने लगभग दो करोड़ का प्लान तैयार कराया है। इस प्रस्ताव को प्रमुखता से महापौर परिषद ने बैठक में प्रस्तुत कर शासन को स्वीकृति के लिए भेजा है। महापौर परिषद की बैठक में परिषद के सदस्य चन्द्रभान सिंह ठाकुर, गोविन्द चतुर्वेदी, अनुप डे, सनीर साहू, चन्द्रप्रकाश सिंह निगम, सोनिया देवांगन, ईश्वरी साहू, परमेश्वर कुमार आदि उपस्थित थे।

मंत्री ने की पहल

कुछ दिन पूर्व भूमिपूजन अवसर पर क्षेत्रीय विधायक व लोक निर्माण एवं गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू तालपुरी पहुंचे थे। तब नागरिकों ने उद्यान, स्ट्रीट लाइट और सीवर लाइन की समस्या को प्रमुख बताया था। मंत्री ने उद्यान व स्ट्रीट मरम्मत कार्य पूर्ण कराने के बाद जटिल समस्या का निराकरण करने रूचि दिखाते हुए आयुक्त को निर्देश दिए थे। वहीं प्रस्ताव को पास कर शासन को भेजने महापौर शशि सिन्हा से चर्चा की थी।

ब्रिटिश कालीन भवन में लाइब्रेरी

महापौर शशि सिन्हा की शहर सरकार ने पुरैना के ब्रिटिश कालीन भवन डॉक बंगला को मरम्मत कर लाइब्रेरी बनाने का निर्णय ली है। परिषद ने इस प्रस्ताव को पास कर स्वीकृति के लिए शासन को भेजा है। परिषद ने कहा है कि मरम्मत के बाद डॉक बंगला देखने लायक होगा।

चौपाटी में लगेगा एल.ई.डी.टीवी

महापौर परिषद ने चौपाटी में एल.ई.डी.टीवी लगाने का निर्णय लिया है। परिषद के सद्स्यों ने कहा कि इस प्रस्ताव से स्थानीय व्यापारियों के प्रतिष्ठानों के अलावा योजना का प्रचार प्रसार किया जाएगा। कार्य एजेंसी को देने से निगम को आय भी होगा।

वर्ष 2022 के लिए 'अन्वेषण में उत्कृष्ता हेतु केन्द्रीय गृहमंत्री पदक' से सम्मानित

श्रीकंचपनथ न्यूज

रायपुर । छत्तीसगढ़ राज्य से 03 पुलिस अधिकारियों को वर्ष 2022 के लिये ''अन्वेषण में उत्कृष्टता हेतु केन्द्रीय गृहमंत्री पदक'' हेतु चयनित किया गया है। केन्द्रीय गृहमंत्री पदक एवं प्रमाण-पत्र का वितरण संबंधित पुलिस अधिकारियों को अशोक जुनेजा पुलिस महानिदेशक छत्तीसगढ़ द्वारा पुलिस मुख्यालय नवा रायपुर में 22 अगस्त 2023 को प्रदत्त किया गया।

पुलिस मुख्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार उपनिरीक्षक दिव्या शर्मा को जिला रायपुर के थाना तेलीबांधा क्षेत्र में 9 वर्षीय बालिका के साथ उसके सौतेले पिता द्वारा अप्राकृतिक कृत्य एवं दुष्कर्म के मामले में विवेचना के दौरान युक्ति-युक्त साक्ष्य संकलित कर 04 दिवस के भीतर अभियोग पत्र प्रस्तुत करने तथा विचारण के दौरान माननीय न्यायालय द्वारा आरोपी के विरूद्ध युक्ति-युक्त रूप से संदेह से परे प्रमाणित पाने के फ्लस्वरूप आरोपी को आजीवन कारावास एवं 90 हजार रूपये अर्थ दण्ड से दण्डित किये जाने के फ्लस्वरूप दिया गया है।

निरीक्षक श्री दिनेश यादव को जिला राजनादगांव थाना चिल्हाटी क्षेत्र में 10 वर्षीय अवस्यक बालिका के साथ बल पूर्वक दुष्कर्म करने की घटना में आरोपी की त्वरित गिरफ्तारी कर युक्ति-युक्त साक्ष्य संकलित कर अभियोग पत्र प्रस्तुत करने तथा माननीय न्यायालय द्वारा अभियुक्त को युक्ति-युक्त रूप से संदेह से परे प्रमाणित पाने के फ्लस्वरूप आरोपी को आजीवन कारावास एवं अर्थ दण्ड से दण्डित किये जाने के फ्लस्वरूप दिया गया है। राजेन्द्र कुमार जायसवाल, तत्कालीन पुलिस उप अधीक्षक रायपुर वर्तमान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बिलासपुर को वर्ष 2013 में आतंकवादी संगठन सिमी एवं इंडियन मुजाहिद्दीन से जुड़े लोगों को बैंक के माध्यम से पैसे भेजने की सूचना पर अपराध पंजीबद्ध कर आरोपी को गिरफ्तार कर अभियोग पत्र माननीय न्यायालय में प्रस्तुत करने एवं विचारण उपरांत माननीय न्यायालय द्वारा आरोपियों को 10-10 वर्ष के सश्रम कारावास तथा अर्थ दण्ड से दण्डित किये जाने के फ्लस्वरूप दिया गया है। पदक प्राप्त करने वाले पुलिस अधिकारियों को पुलिस महानिदेशक द्वारा अपनी शुभकामनाएं देते हुए अन्य पुलिस अधिकारियों से भी गुणवत्तापूर्ण उत्कृष्ट अनुसंधान कर आरोपियों को न्यायालय से दण्डित कराने की अपेक्षा की गई है।

जिले में चलाया जा रहा है मतदाता जागरूकता कार्यक्रम

बालोद। कलेक्टर कुलदीप शर्मा के निर्देशानुसार जिले में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम अंतर्गत मतदाताओं को अपने मताधिकार का उपयोग करने के लिए विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जा रहा है। आज गुरुर के शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसके अंतर्गत छात्रों को नियमित पोस्टर, बैनर, खेल, रंगोली के माध्यम से मताधिकार के महत्व को परिभाषित किया गया। इसके अलावा छात्रों को फॉर्म 6,7,8 की भी जानकारी दी गई। इस दौरान विद्यालय के तीन छात्रों की आयु 18 वर्ष पूर्ण होने पर फॉर्म 6 भरकर नाम जोड़ने की प्रक्रिया की जानकारी दी ताकि वह बीएलओ के माध्यम से अपना नाम निर्वाचन प्रक्रिया में सम्मिलित कर अपना इपिक कार्ड प्राप्त कर सके। इस अवसर पर निर्वाचन संबंधी कार्यक्रम का संचालन सीमा साहू के द्वारा किया गया।

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास-खबर

बैंक मैनेजर बन महिला से एक लाख की ठगी, लोन पास होने की फोन पर दी जानकारी प्रोसेसिंग के नाम से ऐंठे रुपये

कांकेर। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में में फोन पर आठ लाख का लोन पास होने का झांसा देकर कांकेर की एक महिला से ठग ने एक लाख रुपये की धोखाधड़ी को अंजाम दे डाला। महिला की शिकायत पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ कांकेर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में जुटी है। कांकेर कोतवाली अंतर्गत भंडरीपारा में डेयरी संचालक महिला ऑनलाइन ठगी का शिकार हुई है।

कांकेर कोतवाली प्रभारी शरद दुबे ने बताया कि नगर के भंडरीपारा में रहने वाली केश्वरी यादव ने मामला दर्ज कराया है कि 11 अगस्त को उनके मोबाइल पर एक फोन आया जिसने अपने आप को केनरा बैंक का मैनेजर बताया और आठ लाख रुपये का लोन पास होने की बात कही।

उसने महिला से खाते की जानकारी और जरूरी पहचान पत्र व्हाट्सएप के माध्यम से मांगा। महिला ने पूरी जानकारी दे दी 13 दिन के अंदर अज्ञात व्यक्ति द्वारा लोन का पैसा मिलने की बात कहकर प्रोसेसिंग के नाम से एक लाख रुपये फोन पे के माध्यम से ले लिए। धोखाधड़ी का एहसास होने पर महिला के आवेदन पर 420 का मामला दर्ज कर सायबर की मदद से आरोपी की खोजबीन की जा रही है। जिस खाते में महिला ने पैसा डाला है उसे भी होल्ड किया गया है।

गोगुंडा, सिमेल और परिया में पुलिस का सर्च अभियान मुठभेड़ के बाद भागे नक्सली, नक्सल सामग्री बरामद

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। जगदलपुर, बस्तर रेंज में चलाये जा रहे नक्सल विरोधी अभियान के तहत जिला सुकमा और दंतेवाड़ा के सरहदी क्षेत्र गोगुंडा, सिमेल, गट्टापारा, के जंगल-पहाड़ी में दरभा डिवीजन के केरलापाल एरिया कमेटी एसजेडसीएम चैतु, बारसे देवा, जगदीश, जयलाल के साथ लगभग 25-30 सशस्त्र वर्दीधारी नक्सलियों की उपस्थिति की सूचना पर 22 से 23 अगस्त तक डीआरजी सुकमा, एसटीएफ, 201 वाहिनी कोबरा और डीआरजी दंतेवाड़ा के संयुक्त बलों द्वारा विशेष नक्सल विरोधी अभियान संचालित किया गया।

अभियान के दौरान 22 अगस्त को दंतेवाड़ा डीआरजी की पार्टी सर्चिंग करते हुए सिमेल के दक्षिण की पहाड़ी के पास नक्सली के टेंट देखे। जिसे घेराबंदी कर ही रहे थे कि नक्सलियों ने डीआरजी टीम को देख कर अचानक फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में डीआरजी के जवानों द्वारा भी फायरिंग किया गया, जिससे नक्सली खुद को कमजोर पड़ता देख जंगल-पहाड़ी का आड़ लेकर भाग गये।

सर्चिंग के दौरान दंतेवाड़ा डीआरजी की टीम सिमेल के दक्षिण गट्टापाल और परिया के बीच पहाड़ी को सर्च करते हुए आगे बढ़ रही थी, जहां पर नक्सलियों के रहने की दो बड़े-बड़े नक्सली कैम्प मिले, नक्सलियों के लिए ट्रेनिंग कैंप चलाया जा रहा था। जिसे जवानो द्वारा ध्वस्त किया गया, मौके और आसपास स्थल को सर्च करने पर भारी मात्रा में राशन सामान, 16 नग एके 47 राउंड, नक्सली वर्दी, प्रिंटर, प्रिंटर इंक,मल्टीमीटर, बैटरी चार्जर, इलेक्ट्रिक वायर, पिट्ठू, बर्तन, पॉलिथिन, बड़े-बड़े जर्किन, दवाईयां, नक्सल साहित्य और भारी मात्रा में दैनिक उपयोगी का सामान बरामद किया गया। साथ ही मौके से एक सोलर प्लेट भी बरामद हुई है। जिसे राशन सामग्री के साथ ही मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। बस्तर रेंज में पुलिस द्वारा चलाये जा रहे नक्सल विरोधी अभियान जारी रहेगा।

शराब के नशे में ट्रक लहराना पड़ गया भारी यातायात की पेट्रोलिंग टीम ने पीछा कर पकड़ा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नेशनल हाईवे पर लहराते हुए ट्रक ड्राइव करना चालक को भारी पड़ गया। हाईवे पेट्रोलिंग नंबर 3 ने चरोदा के पास ट्रक को पकड़ा गया। ट्रक में चालक सहित तीन लोग सवार थे और तीनों शराब के नशे में धुत थे। यातायात पुलिस ने ब्रेथएलेनाईजर से जांच की तो शराब की मात्रा 318 MG तक पाई गई। यातायाज पुलिस ने तत्काल ट्रक को जब्त किया और मुख्यालय ले आई। आगे प्रकरण न्यायालय में प्रस्तुत किया जाएगा। वहीं चालक का लाइसेंस रद्द करने की कार्रवाई भी की जाएगी।

बता दें सोमवार को नेशनल हाईवे पर दोहपर करीबन 3 बजे चरोदा के पास रायपुर से दुर्ग की ओर ट्रक क्रमांक एमएच 36 एफ2545 लहराते हुए आती दिखाई दी। यह देख हाईवे पेट्रोलिंग 03 के कर्मचारियों द्वारा उक्त ट्रक का पीछा किया गया और उसे रुकवाया। ट्रक चालक का ब्रेथएनेलाईजर मशीन के चेक किये जाने पर 318 एमजी शराब का सेवन करना पाया गया। चालक के साथ दो अन्य लोग भी सवार थे। यातायात पुलिस ने ट्रक जब्त कर लिया। बता दें यातायात पुलिस द्वारा वर्ष 2023 में अब तक शराब सेवन कर चालाने वाले कुल 207 मामलों में 20 लाख 70 हजार जुर्माना वसूला है।

जामुल में महिला की संदिग्ध मौत

गले में बंधी थी रस्सी और नाक मुंह से निकल रहा था खून

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। जामुल थाना क्षेत्र में महिला की हत्या का मामला सामने आया है। गुरुवार की सुबह पुलिस को सूचना मिलने में मौके पर पहुंची तो महिला की शव पड़ा था। मृतका के गले में पतली सी रस्सी बंधी हुई थी और मुंह व नाक से खून निकल रहा था। शुरुआती जांच में पुलिस ने हत्या की आशंका जताई है।

मिली जानकारी के अनुसार शिवपुरी जामुल बस्ती में रहने वाली वेदमती वर्मा (46) का शव उसके घर पर मिला। महिला का पति से तलाक हो चुका था और बच्चों की शादी के बाद वह अकेले ही किराए के घर में रहती थी। बुधवार शाम को उसके कमरे से कोई हलचल नहीं होने पर मकान मालिक ने कुम्हारी में रहने वाले उसके भाई को सूचना दी। महिला का भाई घर पहुंचा और देखा उसकी बहन मृत अवस्था में पड़ी थी। महिला के भाई ने पुलिस को सूचना दी।

जामुल पुलिस घर पहुंची तो देखा कि मृतका के गले में पतली सी प्लास्टिक की रस्सी बंधी हुई थी और नाक मुंह से खून आ रहा था। पुलिस ने फिलहाल मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। हालांकि पुलिस को महिला के साथ रहने वाले गार्ड पर शक है। महिला जिस कंपनी में काम करती थी वहीं गार्ड भी काम करता था। गार्ड का अक्सर महिला के घर पर आना जाना लगा रहता था। जामुल थाना प्रभारी याकुब मेनन ने बताया कि शुरुआती जांच में हत्या का मामला लग रहा है। पीएम रिपोर्ट आने के बाद मौत की असली वजह सामने आएगी और उसी के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मेडिकल स्टोर की सीढ़ियों से टकराई एंबुलेंस, अस्पताल से निकलते ही हुआ हादसा, चालक की मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में गुरुवार को एंबुलेंस हादसे का शिकार हो गई। अस्पताल से निकलने के बाद एंबुलेंस यहां एक मेडिकल स्टोर्स की सीडियों से टकरा गई। हादसे में एंबुलेंस का चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसके तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उसकी मौत हो गई। घटना के बाद पुलिस हादसे के कारणों की जांच में जुट गई है। मामला जिले के तमनार थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के अनुसार तमनार अस्पताल से एक मरीज को लेकर एंबुलेंस चालक कमल दास महंत (35) रवाना हुआ। अभी वह अस्पताल से निकला ही था कि 15-20 कदम की दूरी पर वो पटनायक मेडिकल स्टोर की सीढ़ियों से टकरा गया। हादसे के बाद मौके पर लोगों की काफी भीड़ जमा हो गई। वहीं हादसे की सूचना के बाद मौके पर पुलिस भी पहुंच गई। ड्राइवर कमल दास महंत हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं एंबुलेंस के सामने का हिस्सा भी बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया।

पुलिस ने घायल एंबुलेंस चालक को अस्पताल पहुंचाया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। इधर पुलिस की पूछताछ में आसपास के लोगों ने बताया कि अचाकन एंबुलेंस अनबैलेंस हुई और सीडियो से टकरा गई। संभवत: चालक को चक्कर आया और यह हादसा हो गया। वहीं पुलिस को अनुमान है कि चालक को हार्ट अटैक आया होगा जिससे हादसा हुआ। पुलिस ने आसपास के सीसी टीवी फुटेज भी जुटाया है। फिलहाल जांच जारी है।

चलती कार में लगी आग, चालक ने कूदकर बचाई अपनी जान

श्रीकंचनपथ न्यूज

कांकेर। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में शुक्रवार की सुबह बड़ा हादसा टल गया। यहां भानुप्रतापपुर से कांकेर की ओर जा रही एक कार में देवरी के पास सुबह करीब 6 बजे अचानक आग लग गई। कार की बोनट से धुआं निकला और आग लग गई। आग लगता देख चालक तुरंत कार को सड़क किनारे रोककर बाहर निकला और आग को बुझाने का प्रयास किया। लेकिन आग की लपटे बढ़ती चली गई।

कार में अचानक आग लगने से चालक भी सकते में आ गया। देखते ही देखते आग की लपटे बढ़ने लगी। घटना की जानकारी तुरंत पुलिस को दी गई। पुलिस की पेट्रोलिंग टीम और दमकलकर्मी मौके पर पहुंचे। कुछ ही देर में दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाया। जब तक आग बुझ पाती तब तक कार पुरी तरह से जलकर खाक हो गई। फिलहाल पुलिस आग लगने के कारण का पता लगा रही है।

शासकीय प्रयास आवासीय विद्यालय में प्रवेश दिलाने का झांसा, कॉलर ने कई लोगों को किया कॉल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के नवा रायपुर स्थित शासकीय प्रयास आवासीय विद्यालय में प्रवेश दिलाने के नाम पर ठगी का मामला सामने आया है। पीड़ित तुलसीराम साहू की शिकायत पर राखी थाने की पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है। अज्ञात फोनधारक स्कूल द्वारा जारी सूची से मोबाइल नंबर और नाम निकाल कर अभिभावकों को फोन कर प्रवेश दिलाने के नाम पर कई लोगों से ठगी की है। कई लोगों को कॉल कर रुपए की मांग की गई। राखी पुलिस ने अपराध दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

मिली जानकारी के अनुसार इस संबंध में तुलसीराम साहू ने शिकायत दर्ज कराई है। तुलसी राम से प्रवेश के नाम पर लगभग आठ हजार रुपए ठग लिए गए। ठगों ने 2023-24 में शासकीय प्रयास आवासीय विघालय के प्रवेश के लिए जारी परीक्षा परिणाम की सूची से नाम एवं मोबाईल नंबर की चोरी कर कु. दीक्षा के पिता को मोबाइल नं. 8240183104 से प्रयास विघालय मे प्रवेश के लिए 10000 रुपए की मांग की गई। साथ ही कु. अदिति कौशिक के पिता चंद्रशेखर कौशिक को मोबाइल नं. 9477605430 एवं 8961833829 से कॉल कर प्रयास विघालय मे प्रवेश के लिए 10000 रुपए की मांग की गई। अन्य मोबाइल नंबर 73313575446, 9136562253 एवं 8961302267 से भी अभिभावकों को कल कर पैसों की मांग की गई है।

इसके बाद रवि कुमार साहू पिता सेमंत कुमार साहू (मोनं 8966857588) ग्राम रीवागहन जिला बालोद से मोबाइल नंबर 8585827091 के कॉलर द्वारा मांग करने पर उनके द्वारा 5000 रुपए फोन पे किया गया। इसके बाद 8252183362 पर 293 व 600 एवं 1700 रुपए फोन पे किया गया है। इसके बाद पता चला कि कॉलर द्वारा इस तरह से धोखाधड़ी की गई है। इस मामले में शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

।। कार्यालय नगर पालिक निगम, दुर्ग ।।

EmailId:- durgmc2019@gmail.com Phone:- 0788-2322148

-:: ई-प्रोक्योरमेंट द्वितीय निविदा सूचना ::-

क्रमांक 4 / ज0प्र0वि0 / 2023-24 दिनांक. 22/08/2023

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत अनुभवी ठेकेदारों से नीचे उल्लेखित कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आंमत्रित की जाती है-

क.	कार्य का नाम	लागत (लाख मे)	निविदा जारी दिनांक
1.	Water Supply Scheme For South Eastern Railway from 42 MLD WTP DURG TO SE RAILWAY STATION DURG (2nd Call) SystemNo.145171 Dated:22.08.2023	रू.112.56	22.08.2023 से 08.09.2023 खोलने की तिथि 12.09.2023

निविदा की सामान्य शर्ते धरोहर राशि निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है अथवा ई-प्रोक्यूरमेंट वेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in एवं विभागीय वेबसाइट www.municipalcorporationdurg.in से भी डाउनलोड की जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता

कार्यालय, कार्यपालन अभियंता ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, संभाग दुर्ग (छ.ग.)

Email id : ee-res-durg@gov.in

संक्षिप्त मैन्युअल निविदा सूचना क्रमांक-45

ज्ञा.क्रं 2304/व.ले.लि./ग्रा.यां.से./2023-24 दुर्ग, दिनांक 23/08/2023

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु मैनुअल निविदा आमंत्रित की जाती है:-

क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में)
1	2	3
1	Govt Primary School Siloda भवन मरम्मत जीर्णोद्धार कार्य	1.00
2	Govt PS Kotni Durg मरम्मत कार्य	1.00
3	Govt Primary School Chandkhuribhata शौचालय मरम्मत निर्माण कार्य	1.30
4	Govt Primary School Chingari भवन मरम्मत संधारण कार्य/, शौचालय मरम्मत	2.25
5	Govt Hr.Sec. School Ramnagar Muktidham अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्यहाल निर्माण कार्य	4.17
6	Govt Ms Camp-01, Bhilai विद्यालय भवन जीर्णोद्धार कार्य एवं 01 अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य	8.55
7	शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला मरोदा टैंक भिलाई में शौचालय मरम्मत, कक्षों का फ्लोरिंग मरम्मत, खिड़की दरवाजा मरम्मत, आंतरिक विद्युतीकरण मरम्मत कार्य।	1.22
8	शासकीय प्राथमिक शाला गांधीभाठा अण्डा में बालिका शौचालय निर्माण, मन्धान्ह भोजन कक्ष मरम्मत, हैण्डवाश प्लेटफार्म मरम्मत कार्य।	1.47

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी http://res.cg.gov.in में अथवा कार्यालयीन अवधि में दिनांक 23/08/2023 से देखी जा सकती है। एवं ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड करने की अंतिम तिथि 29/08/2023 तक है।

जी-04573/3

कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग दुर्ग

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता: 93003-77572

खास - खबर

विधानसभा निर्वाचन के लिए 131 मास्टर ट्रेनर नियुक्त

दुर्ग। विधानसभा सामान्य निर्वाचन 2023 के सुचारू संचालन हेतु जिला स्तरीय एवं विधानसभा स्तरीय कुल 131 मास्टर ट्रेनरों की नियुक्त की गई है। इन्हें विगत 22 अगस्त को बी.आई.टी. दुर्ग के ऑडिटोरियम में प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर विपुल कुमार गुप्ता, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) पाटन, विनय कुमार सोनी, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) धमधा तथा लवकेश ध्रुव, डिप्टी कलेक्टर दुर्ग के द्वारा विधानसभा निर्वाचनों के दौरान विभिन्न प्रशिक्षण आयोजित किए जाने हेतु मास्टर ट्रेनरों प्रशिक्षित किया गया। उप जिला निर्वाचन अधिकारी अपर कलेक्टर बीके दुबे ने बताया कि उक्त प्रशिक्षण में जिला एवं विधानसभा स्तरीय कुल 131 मास्टर ट्रेनरों में से 105 मास्टर ट्रेनर उपस्थित थे तथा 26 मास्टर ट्रेनर्स अनुपस्थित रहे। अनुपस्थित मास्टर ट्रेनरों के विरूद्ध नियमानुसार कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

नर्सिंग पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए फार्म भरने की तारीख 27 तक बढ़ी

दुर्ग। छत्तीसगढ़ में चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा शासकीय और निजी कॉलेजों में वर्ष 2023 शैक्षणिक सत्र में विभिन्न नर्सिंग पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि को 27 अगस्त तक बढ़ा दिया गया है। अब इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थी अपने आवेदन ऑनलाईन 27 अगस्त शाम 5 बजे तक भर सकते है। पहले यह तिथि 24 अगस्त निर्धारित थी। चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा इन ऑनलाईन प्राप्त आवेदनों के माध्यम से बीएससी नर्सिंग, एमएससी नर्सिंग, पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग और पोस्ट बेसिक डिप्लोमा इन साइकियाट्रिक नर्सिंग पाठ्यक्रमों में प्रवेश दिया जाएगा। अभ्यर्थी चिकित्सा शिक्षा विभाग की वेबसाइट पर लॉगइन कर आवेदन भर सकते है।

चिकित्सा शिक्षा विभाग नर्सिंग पाठ्यक्रम काउसलिंग समिति के अध्यक्ष डॉ. देवप्रिय रथ से प्राप्त जानकारी के अनुसार नर्सिंग पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाईन आवेदन शुल्क भी निर्धारित किया गया है। अनारक्षित एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को एक हजार रूपये और अनुसूचित जाति-जनजाति वर्ग के अभ्यर्थियों को पांच सौ रूपये आवेदन शुल्क देना होगा। अभ्यर्थियों को ऑनलाईन आवेदन के साथ ही संस्था का चयन भी करना होगा। संस्था चयन के लिए अतिरिक्त समय नहीं दिया जाएगा।

गैर संकार्य विभाग के कार्मिक कर्म शिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित

भिलाई। इस्पात संयंत्र प्रबंधन द्वारा ऐसे कार्मिक जो कार्यस्थल में नवीनता, संसाधनों का बेहतर उपयोग, संगठनात्मक उद्देष्यों को पूरा करने के लिए उच्चतम स्तर के सुरक्षा मानकों को बनाये रखते हुए तकनीकी/प्रक्रियात्मक अनुषासन का पालन करने में असाधारण प्रतिभा का प्रदर्षन करते है, को प्रेरित करने और पहचान देने के लिए प्रतिमाह ''कर्म षिरोमणि पुरस्कार'' प्रदान किया जाता है। इसी क्रम में माह मई 2023, जून 2023 एवं जुलाई 2023 के लिए सामग्री प्रबंधन विभाग से मनहरण लाल चन्द्राकर, वरिष्ठ स्टोर कीपर तोसन कुमार भोयार, वरिष्ठ स्टोर कीपर एवं चन्द्र बिसई, स्टाफ अटन्डेण्ट, वित्त एवं लेखा विभाग से जुलेखा, वरिष्ठ स्टाफ सहायक , आंतरिक अंकेक्षण विभाग से के आर गणेषन , परियोजनाएं विभाग से आषुतोष दास आदि है।

विधायक देवेंद्र ने प्रगतियात्रा में दी सौगात सेक्टर 4 में बनेगा महिलाओं के लिए जिम

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव लगातार प्रगति यात्रा कर रहे हैं। सेक्टर 9, सेक्टर 7 और सेक्टर 8 के वार्डों में प्रगति यात्रा के बाद 24 अगस्त को सेक्टर 4 में प्रगति यात्रा की गई। इस दौरान विधायक श्री यादव ने वार्ड के महिलाओं ने करीब डेढ़ घंटे तक बैठक की। वार्ड के विकास को लेकर लंबी और सार्थक चर्चा की।

इस दौरान विधायक यादव से महिलाओं ने ओपन जिंम की मांग। मंदिर परिसर में सौंदर्यीकरण, वार्ड में सफाई,लाइटिंग आदि की मांग। इस पर विधायक यादव ने महिलाओं की मांग पर तत्काल आश्वासन? दिया और कहा कि जल्द ही महिलाओं के लिए ओपन जिम बनाया जाएगा। इसके अलावा वे जल्द ही मंदिर परिसर में सौंदर्यीकरण से लेकर अन्य जरूरी काम पूरा कर देंगे।

इसके अलावा वार्ड की सफाई को लेकर कहा कि यहां बीएसपी क्षेत्र की सफाई बीएसपी के जिम्मे है। लेकिन वे वार्ड की सफाई पूरी तरह से अच्छे से करवा देंगे। बैठक में ?महिलाओं ने बताया कि वे 20 साल से वहां रह रहे है। पहले के नेताओं ने कहा कि लीज डीड की रजिस्ट्री डेड हो चुकी है। यह असंभव है। कोई नहीं कर सकता। लेकिन आप ने यह काम को करवा दिया। कुछ महिलाओं ने बताया कि उन्होंने रजिस्ट्री भी करवा लिए है। कुछ ने बताया कि उन्होंने आवेदन कर लिया है। सभी ने इस काम के लिए बहुत आधार जताया। सब में बहुत हर्ष और उत्साह का माहौल था। विधायक श्री यादव ने बताया कि अब आगे हम ही आप सब का फ्री होल्ड भी करवा कर देंगे। हाउस लीज संघर्ष स?मिति का भी बड़ा योगदान रहा और आप सब के आशीर्वाद से यह काम भी हो जाएगा। हम प्रयास कर रहे है।

दो छोटे बच्चे ने विधायक से की गार्डन की मांग

प्रगति यात्रा के दौरान विधायक श्री यादव लगातार वार्ड के हर गली मोहल्ल से होते हुए हर घर में जाकर लोगों से मिले। बड़े बुजुर्गों का प्रमाण किए और उनसे बातचीत की। इस दौरान युवाओं और बच्चों में विधायक के साथ सेल्फी लेने की होड़ मची रही। ?पैदल पैदल विधायक बारिश में भी चलते रहे। इस दौरान दो बच्चे जो मात्र करीब 2 से 3 साल के थे और वे दो जुड़वा भाई थे, जो विधायक से मिले। विधायक ने उनसे हाथ मिलाया तो वे हाथ मिलाए और फिर कहा कि हमारे लिए गार्डन बनवा दो। उनकी बातों को सूनकर विधायक बहुत खुश हुए और कहा कि इनके लिए जल्द गार्डन बनाया जाएगा।

एक सितंबर से बिजली बिल हाफका मिलेगा लाभ

विधायक देवेन्द्र ने बताया कि 1 सितंबर से बीएसपी क्षेत्र में रहने वाले लोगों को बिजली बिल हाफकी सुविधा का लाभ मिलेगा। यह काम भी हो गया है। बैठक में म?हिलाओं ने महंगाई पर भी चर्चा की। बताया गया कि 2013 में 422 रुपए सिलेंडर था, लेकिन 2014 से अबतक रसोई गैस 1175 रुपए तक पहुंच चुका है। मतलब इस 9 साल में रसोई गैस तीन गुणा बढ़ गई है। इस पर विधायक श्री यादव ने कहा कि आप सब को अब चिंतन करना चाहिए कि महंगाई कितनी बढ़ गई है।

भारतीय नेटबॉल संघ के सदस्य बने प्रशांत जेकब

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भारतीय नेटबॉल संघ के चुनाव में भिलाई के राष्ट्रीय खिलाड़ी एवं छत्तीसगढ़ नेटबॉल के कोषाध्यक्ष प्रशांत जेकब को निर्विरोध कार्यकारिणी सदस्य चुना गया। नेटबॉल फेडरेशन ऑफ़इंडिया की वार्षिक आम बैठक बीते 20 अगस्त को नई दिल्ली के नेशनल स्पोर्ट्स क्लब में आयोजित की गई थी।

इसमें 2023-26 सत्र के लिए भारतीय नेटबॉल संघ के पदाधिकारीयो, सदस्यों और कार्यकारी समिति का चुनाव करवाया गया।

इसमें निर्वाचन अधिकारी के रूप में न्यायाधीश डॉ. सतीश चंद्र (सेवानिवृत्त) इलाहाबाद उच्च न्यायालय, सहायक रिटर्निंग अधिकारी ईश्वर चंद्र गोयल अवर सचिव (सेवानिवृत्त) भारत निर्वाचन आयोग, सहायक रिटर्निंग अधिकारी उज्जवल कुमार गोस्वामी थे।

जिन्होंने पूरा निर्वाचन कार्य का निरीक्षण किया। चुनाव के उपरांत वागीश पाठक को भारतीय नेटबॉल का अध्यक्ष, उपाध्यक्ष सुमन कौशिक, महासचिव विजेंद्र सिंह और कोषाध्यक्ष मोनिका को चुना गया। भिलाई के प्रशांत जेकब को कार्यकारिणी सदस्य बनने पर नेटबॉल एसोसिएशन ऑफ़ छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष प्रमोद जैन, सहसचिव अनिल सिंह, विजय चलोत्रे, प्रकाश विश्वकर्मा,अब्बास आलम, इमरान खान, नीलेश शर्मा,मोहन, मनोज, और नेटबॉल एसोसिएशन ऑफ़ दुर्ग समेत समस्त खेल प्रेमिओ ने बधाई दी है।

स्टेट लेवल शूटिंग चैंपियनशिप में दुर्ग पुलिस के जवान ने जीता सिल्वर और ब्रॉन्ज, एसपी सहित अन्य अफसरों ने दी बधाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग पुलिस के जवान प्रशांत शुक्ला ने 22 वीं स्टेट लेवल शूटिंग प्रतियोगिता में रजत व कांस्य पदक पर कब्जा किया। प्रशांत शुक्ला की इस उपलब्धि से दुर्ग पुलिस का मान बढ़ गया। प्रतियोगिता में रजत व कांस्य मेडल पर कब्जा जमाने वाले प्रशांत शुक्ला को बधाई देने वालों का तांता रहा।

दुर्ग के एसपी शलभ कुमार सिन्हा सहित आला अफसरों ने प्रशांत शुक्ला को बधाई देते हुए उनकी उज्वल भविष्य की कामना की। 22 वीं राज्य स्तरीय शूटिंग प्रतियोगिता माना 4वीं बटालियन में 12 अगस्त से 23 अगस्त तक हुई। जिसमें प्रशांत शुक्ला ने 25 मीटर स्टैंडर्ड फायर पिस्टल में रजत व 10 मीटर पिस्टल इवेंट में कांस्य पदक जीता। कार्यक्रम में मुख्य अथिति के तौर पर भिलाई नगर विधायक व छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ के महासचिव देवेन्द्र यादव उपस्थित रहे।

प्रशांत शुक्ला ने 2022 में ऑल इंडिया पुलिस ड्यूटी मीट के दौरान छत्तीसगढ़ के 'टॉप शूटर' में उनका चयन हुआ था। इसके बाद चेन्नई में आयोजित IPDM में भी छत्तीसगढ़ पुलिस का प्रतिनिधित्व किया गया था।

बीएसपी सोसाइटी सेक्टर-6 ने रिटायर कर्मियों को दी ससम्मान विदाई

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र में कार्यरत कर्मियों की सहकारी संस्था इस्पात कर्मचारी को-ऑपरेटिव क्रेडिट सोसाइटी लिमिटेड सेक्टर-6 में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान जून/जुलाई या फिर उसके पहले रिटायर हुए सदस्य कर्मियों को समारोह में विदाई दी गई। सोसाइटी के अध्यक्ष बृज बिहारी मिश्र व अन्य पदाधिकारियों ने इन सदस्य कर्मियों को शाल/श्रीफल और उनकी जमा पूंजी का चेक देकर सम्मानित किया। शुरुआत में स्वागत भाषण देते हुए सोसाइटी के अध्यक्ष बृज बिहारी मिश्र ने कहा कि अपने सेवाकाल में जीवन का सर्वश्रेष्ठ देने वाले वरिष्ठ साथियों का योगदान हमेशा रेखांकित होता रहेगा। मिश्र ने कहा कि इन वरिष्ठ लोगों ने भिलाई इस्पात संयंत्र की अपनी सुदीर्घ सेवा में जो अनुभव अर्जित किया है वह हम सबकी अनमोल पूंजी है और इन वरिष्ठ नागरिकों का भिलाई इस्पात संयंत्र और हमारी सोसाइटी के साथ बना रिश्ता हमेशा मजबूत रहेगा।

शिवनाथ नदी मुक्ति धाम मार्ग चौड़ीकरण कार्य का किया निरीक्षण

शहर को स्मार्ट सिटी बनाने की दिशा में हो रहा है कार्यः विधायक

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर निगम सीमा अंतर्गत विधायक अरुण वोरा और महापौर धीरज बाकलीवाल शहर को स्मार्ट सिटी की तर्ज पर हमर दुर्ग ब्रांड स्थापित करने लगातार प्रयासरत है जिसके लिए शिवनाथ नदी मुक्तिधाम से लेकर नयापारा मोड़ तक सीमेंटीकरण कार्य का विधायक अरुण वोरा, महापौर धीरज बाकलीवाल ने लोक कर्म प्रभारी अब्दुल गनी व अधिकारियों के साथ निर्माण कार्य स्थल का निरीक्षण कर शिवनाथ नदी महमरा मार्ग पर चौड़ीकरण कार्यो को लेकर कार्य मे तेजी लाने की बात मौजूद अधिकारियों से कही। उन्होंने अधिकारियों को कार्यो में सतत मॉनिटरिंग करते हुए तय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण तरीके से जल्द पूर्ण करवाया जाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिये।उन्होंने कहा कि मुक्तिधाम महमरा के उबड़खाबड़ सड़क और बारिश के दौरान

सड़को पर पानी भर जाने से मिलेगी मुक्ति,आवाजाही होगी सुगम। मूलभूत विकास निर्माण कार्य के लिए पैसे की कमी नहीं होगी। लोगों की जरुरत सुविधाओं को देखते हुये विकास एवम निर्माण कार्य कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि निगम शहर में सड़क सीमेंटीकरण कार्य, डामरीकरण एवं अन्य विकास निर्माण कार्य धड़ल्ले से चल रहा है। इस विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक वार्ड में जनता के सुगम आवागमन व सुख सुविधाओं को ध्यान में रखकर कार्य किया जा रहा है।

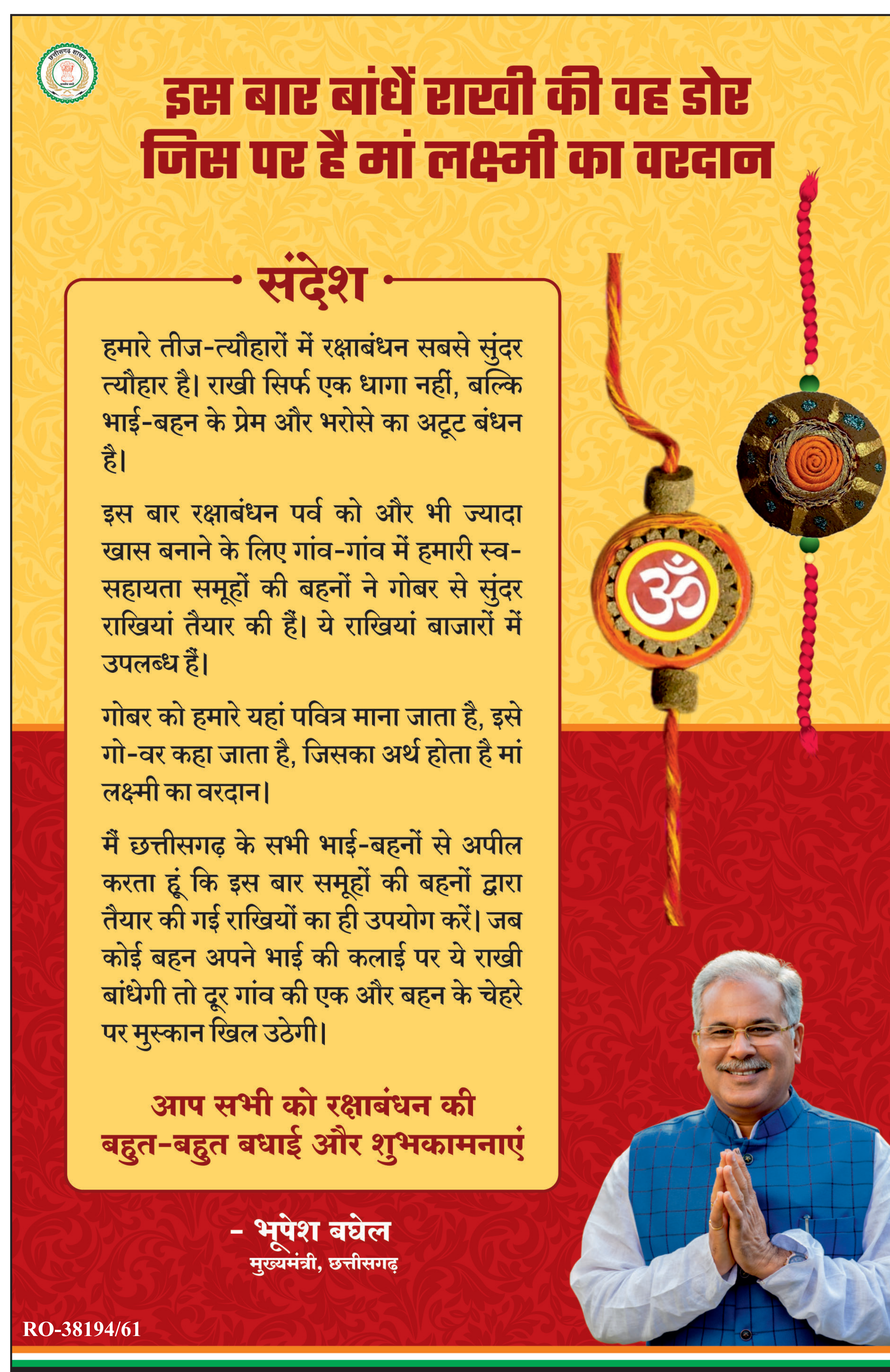

सेक्टर 02 में डेंगू नियंत्रण के लिए भिलाई निगम का विशेष अभियान

आयुक्त ने जिला, निगम, बीएसपी के स्वास्थ्य अमले के साथ किया संयुक्त निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेक्टर क्षेत्र में डेंगू नियंत्रण पर चल रहे कार्य का धरातल पर प्रगति देखने निगम आयुक्त, विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रतिनिधि, जिला स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, जिला मलेरिया विभाग, भिलाई इस्पात संयंत्र एवं निगम भिलाई के स्वास्थ्य अमला के साथ सेक्टर 02 के सड़क 05 पहुँचे और घरो का मौका मुआयना किये ।

निगम आयुक्त रोहित व्यास भिलाई इस्पात संयंत्र के स्वास्थ्य विभाग के अमले को प्रतिदिन रूट चार्ट बनाकर डेंगू प्रभावित क्षेत्र के प्रत्येक घर का सघनता से जांच कर घर में वर्षा जल का जमाव न हो इसे सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। उन्होने कबाड़ के वस्तु, कूलर, पानी टंकी आदि की जांच कर टेमिफॉस का छिड़काव करने को कहा। लोगो को जागरूक करने मुनादी के साथ साथ पाम्प्लेट बांटकर, डेंगू से बचाव हेतु सजग करने की सलाह दी है। आयुक्त श्री व्यास भिलाई इस्पात संयंत्र के जन स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से जानना चाहा कि आपके द्वारा डेंगू के लार्वा के विनिष्टीकरण, एडल्ट मच्छरों के खात्मे के लिए क्या उपाय किए जा रहे है अधिकारी द्वारा बताये जा रहे कार्यो के दस्तावेजी प्रमाण मौके पर उपलब्ध नही होने पर अपनी नाराजगी भी व्यक्त किये । उन्होंने कहा कि जिस क्षेत्र में डेंगू सबसे ज्यादा प्रभावित है, उस क्षेत्र के प्रत्येक घरो की जांच कर लार्वा के खात्मे के लिए टेमिफॉस का वितरण करे, बैकलाइन की सफाई पर विशेष ध्यान दे।

सड़क के दोनो किनारे उगे गाजर घास, खरपतवार की सफाई करे। यह सुनिश्चित कर ले कि नाली में तथा निर्माण स्थल पर वर्षा जल का जमाव न हो। टीम के सदस्य भ्रमण के दौरान जब सड़क 05 के मकान नं. 26 एफमें जांच करने पहुंचे तो पाया कि बाउंड्रीवाल के भीतर एक बाल्टी में काफी दिनों से पानी भरा है जिसमें डेंगू के लार्वा पाए गए। आयुक्त श्री व्यास ने बीएसपी के स्वास्थ्य अमले से कहा कि इस मकान का पूर्व में जब जांच किया गया है और ऐसे में यहां डेंगू के लार्वा पाया जा रहा है तब मकान मालिकों के खिलाफ दंड अधिरोपित करे। सेक्टर के मार्केट क्षेत्र में दुकानों के बाहर रखे गए कबाड़ सामग्री को भी जप्त करने के निर्देश दिए ताकि उन स्थलों पर पानी का जमाव न हो सके। निगम आयुक्त ने बीएसपी के स्वास्थ्य अमले से कहा कि स्वास्थ्य विभाग के निर्देश अनुसार क्वाकोथरिन धुएं का छिड़काव सुबह 5 से 7 बजे के बीच एवं शाम को 6 से 8 बजे के बीच करें इसी समय एडल्ट मच्छर ज्यादा सक्रिय रहते है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950